A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 02 मार्च, 2026

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 150, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

केजरीवाल-सिसोदिया को कोर्ट ने 'बरी' की जगह 'डिस्चार्ज' क्यों किया?

उमंग पोद्दार

शुक्रवार को दिल्ली की राउज़ एवेन्यू अदालत ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत 23 अभियुक्तों को कथित शराब घोटाला मामले में डिस्चार्ज कर दिया। अदालत ने कहा कि उनके ख़िलाफ़ मुक़दमा चलाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं है।

किसी जांच एजेंसी की चार्जशीट दायर होने के बाद अदालत मामले की सुनवाई करती है और सबूतों को प्रथम दृष्टनया देख कर यह तय करती है कि किन धाराओं के तहत मुक़दमा चलना चाहिए। अगर अदालत को पर्याप्त सबूत नहीं दिखे, तो अभियुक्तों को 'डिस्चार्ज' भी किया जा सकता है।

डिस्चार्ज और बरी में फ़र्क़ होता है। जब कोर्ट सभी गवाहों के बयान और बचाव पक्ष के भी सारे सबूत देख कर किसी अभियुक्त को निर्दोष करार करती है, तो वो उसे बरी करना कहते हैं। हालांकि, डिस्चार्ज में कोर्ट केवल अभियोजन पक्ष का सबूत देखता है, और तय करता है कि प्रथम दृष्ट्या देख कर कोई भी गुनाह बनता नज़र नहीं आ रहा।

केजरीवाल और सिसोदिया के ख़िलाफ़ ये वही केस है, जिसके तहत वे जेल गए थे। इसमें केंद्रीय जांच ब्यूरो, यानी सीबीआई, का यह आरोप था कि दिल्ली में 2021 में लाई गई नई शराब की नीति के पीछे एक साज़िश थी, जहाँ कुछ निजी व्यवसायों के लाभ के लिए पॉलिसी को लाया गया था। बाद में इस पॉलिसी को हटा दिया गया था। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि सीबीआई इस बात का कोई सबूत नहीं पेश कर पाई। जकोर्ट ने कहा कि इस केस में जाँच की शुरुआत चुनाव प्रचार से जुड़ी कंपनियों से और छोटे व्यापारियों से हुई थी। फिर ये बढ़ते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं तक पहुंची। कोर्ट का कहना था कि इस जाल का बढ़ना सबूतों पर आधारित नहीं था, बल्कि इस धारणा पर था कि पैसों का घोटाला हुआ है।

कोर्ट ने कहा, 'कथित साज़िश शुरू से ही धीरे-धीरे कमजोर पड़ती गई है। ध्यान से देखने पर यह साफ़ होता है कि यह असल में सिर्फ अटकलों पर खड़ी एक कल्पित कहानी है, जिसके समर्थन में कोई कानूनी रूप से मान्य सबूत मौजूद नहीं है।' कोर्ट ने यह भी कहा कि कुछ अभियुक्तों को 'अप्रूवर' विटनेस, यानी सरकारी गवाह बनाया गया था। इसमें सही कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ।

कोर्ट ने कहा कि सबूतों को देख कर उनकी आशंका मज़बूत हो रही है कि हर बार पूछताछ करके, नए-नए आरोप जोड़ दिए गए, ताकि उन लोगों को भी मामले में फँसाया जा सके जिनके ख़िलाफ़ पहले से कोई ठोस आधार नहीं था। ऐसा लगता है कि अप्रूवर गवाह अभियोजन की पूरी कहानी का मुख्य स्रोत बना दिया गया है। कभी वह बिल्कुल नया आरोप सामने लाते हैं, तो कभी ऐसे बयान देते हैं जो सबूतों में मौजूद कमियों को भरने की कोशिश करता है। '

तसीबीआई ने मनीष सिसोदिया को इस कथित घोटाले का मुख्य अभियुत बताया था। हालांकि कोर्ट ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे प्रथम दृष्टया भी यह बात साबित हो पाए। कोई भी सबूत यह नहीं दिखाता कि वह (मनीष सिसोदिया) कथित पैसों के लेन-देन में शामिल थे। अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ एक भी बरामदगी, दस्तावेज़ या पैसों के लेन-देन की कड़ी पेश नहीं कर पाई है जो उसे कथित फंड ट्रांसफर से जोड़ती हो। सीबीआई के सबूतों में आपसी विरोधाभास था।

कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को इस कथित घोटाले से जोड़ने के लिए कोई दस्तावेज़, इलेक्ट्रॉनिक बातचीत, वित्तीय लेन-देन या डिजिटल सबूत नहीं है। केजरीवाल को मामले में अभियुक्त बनाने की कोशिश सिर्फ ऐसे बयान के आधार पर की गई है जिसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं कि इस नीति को लाने के लिए पैसों का लेन-देन हुआ था।

अभियोजन पक्ष द्वारा एक बड़ा दावा था कि इस शराब नीति में घोटाले से जो पैसे आए हैं, उसका इस्तेमाल आम आदमी पार्टी द्वारा चुनाव में किया गया था। कोर्ट ने कहा कि स्वतंत्र रूप से जांच करने पर वे पाते हैं कि पैसों की लेन-देन की कड़ी ऐसे दस्तावेजों पर आधारित है जो कानूनन मान्य नहीं हैं, और ऐसे बयान पर आधारित हैं, जिसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ये कमियाँ मामूली नहीं हैं, बल्कि ये सीधे अभियोजन के पूरे मामले की बुनियाद को कमजोर करती हैं और शुरुआती चरण में ही केस को बेबुनियाद बनाती हैं। '

कोर्ट ने यह भी कहा कि तथ्यों से साफ़ है कि शराब नीति एक सोची समझी नीति थी जो उपयुक्त लोगों से विमर्श करने के बाद कानूनी तरीके से लाई गई थी। इस मामले में दिल्ली के उप राज्यपाल से विचार-विमर्श करने की कोई कानूनी या संवैधानिक आवश्यकता नहीं थी। फिर भी उनसे राय ली गई थी और उसे नीति में जोड़ा भी गया था। इस मामले में अभियुक्त केवल केजरीवाल और सिसोदिया जैसे नेता नहीं थे, बल्कि जन सेवक, निजी व्यापारी और पॉलिटिकल पार्टी के स्वयंसेवक भी शामिल थे।

कोर्ट ने आदेश दिया कि जिस जाँच अफ़सर ने कुलदीप सिंह को अभियुक्त बनाया उनके ख़िलाफ़ पर्याप्त इंक्वायरी होनी चाहिए। कुलदीप सिंह एक्साइज डिपार्टमेंट में डिप्टी कमिश्नर थे और कोर्ट ने कहा कि उनके ख़िलाफ़ कोई भी सबूत नहीं था। कुलदीप सिंह समेत एक और एक्साइज अफ़सर के ख़िलाफ़ केस एक सोचा-समझा अभ्यास था, जहाँ उनकी भूमिका को बाद में जोड़ा गया ताकि एक पहले से सोचा गया 'नैरेटिव' बनाया जा सके। सीबीआई ने अपनी जांच में कहा था कि कुछ कारोबारियों को नई लिकर पॉलिसी से फ़ायदा हुआ था, जिसके समूह को सीबीआई ने 'साउथ ग्रुप' नाम दिया था। इसपर कोर्ट ने आपत्ति जताते हुए कहा कि 'साउथ ग्रुप' नाम लोगों के क्षेत्र से जुड़ा है। इस नाम का कानून से कोई लेना देना नहीं है और ऐसा नाम का इस्तेमाल करने से लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पैदा हो सकता है। मुक़दमे अपराध के आधार पर होने चाहिए ना कि इस बात पर की अभियुक्त कौन हैं और कहाँ से आ रहे हैं। उन्होंने जांच एजेंसियों को इस बार का आगे से ध्यान रखने को कहा।

आम आदमी पार्टी ने इस फैसले का खुल कर समर्थन किया है। मीडिया में सीबीआई के सूत्रों ने कहा है कि वे इस फ़ैसले के ख़िलाफ़ अपील करेंगे और उसे चुनौती देंगे। केजरीवाल और सिसोदिया समेत कई अभियुक्तों पर प्रवर्तन निदेशालय, यानी ईडी, द्वारा एक 'मनी लॉडरिंग' केस भी चल रहा है। हालांकि, इस फ़ैसले का फ़र्क़ उस केस पर भी पड़ेगा। क्योंकि मनी लॉड्रिंग के केस का आधार ये सीबीआई का केस ही था।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

खामनेई की मौत के बाद और तेज हुई जंग

इजराइल-अमरीका ने 24 घंटे में 1200 बम गिराए, कोहराम, ईरान का पलटवार

खामनेई की बेटी-दामाद, बहू-पोती भी मारी गईं, ईरान बोला-खतरनाक बदला लेंगे

ईरान में 200 की मौत, 740 घायल

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल की वायु सेना का कहना है कि उसने अमेरिका के साथ संयुक्त हमले में पिछले एक दिन में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। इन हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। उनके ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे। इजराइल के प्रधानमंती नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की। खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है। ईरानी इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा, 'हमने एक महान नेता खो दिया है और पूरा देश शोक मना रहा है।' इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है। हमला कुछ देर में शुरू होगा और अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जाएगा।

ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया

इजराइल और अमेरिका ने ईरान की राजधानी तेहरान समेत 10 बड़े शहरों को निशाना बनाया। हमलों से अब तक 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 740 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 148 छात्राओं की मौत हो गई और 45 घायल हैं। ईरान ने भी देशों पर जवाबी हमले किए थे। अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया।

यूपी में हाई अलर्ट, खामेनेई की मौत पर प्रदर्शन

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद यूपी में प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रदर्शन के बीच पुलिस ने पूरे यूपी में हाई अलर्ट जारी किया है। सीएम योगी ने भी रविवार सुबह मीटिंग में अफसरों से एहतियात बरतने को कहा है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि उन जिलों में सतर्कता बढ़ाई गई है, जहां शिया समुदाय की आबादी अधिक है। इनमें लखनऊ, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, मुजफ्फरनगर और मेरठ शामिल हैं।

अयातुल्ला आराफी ईरान के अंतरिम सुप्रीम लीडर बने

खामेनेई की मौत के अगले दिन फैसला, ईरान बोला- अमेरिका-इजराइल से खतरनाक बदला लेंगे

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के अगले दिन आयतुल्ला अलीरेजा आराफीको अंतरिम सुप्रीम लीडर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 67 साल के आराफी खामेनेई के करीबी माने जाते हैं और लंबे समय से ईरान की धार्मिक-राजनीतिक व्यवस्था में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। आराफी असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स के उपाध्यक्ष हैं, जो सुप्रीम लीडर की नियुक्ति करती है। वे गार्जियन काउंसिल के सदस्य भी रह चुके हैं और फिलहाल ईरान की सेमिनरी प्रणाली का नेतृत्व कर रहे हैं। अब स्थायी सुप्रीम लीडर का चयन असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स द्वारा किया जाएगा। खामनेई के मारे जाने पर ईरान में 40 दिन का राजकीय शोक और सात दिन की छुट्टी घोषित कर दी गई है।

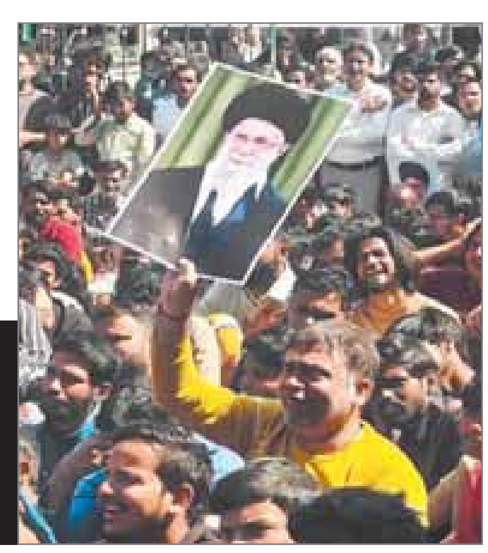

पाकिस्तान में भी अमेरिकी दूतावास पर लोगों का हमला

- 12 लोगों की मौत की खबर, कतर-दुबई में सुने गए भीषण धमाके

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत की पुष्टि हुई है। पाकिस्तान के कराची में हजारों शिया मुसलमानों ने खामेनेई की मौत के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया। इजराइल-अमेरिका के खिलाफ नारे लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी दूतावास में घुसने की कोशिश की। सुरक्षाकर्मियों की फायरिंग में 12 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। कई युवक घायल भी हैं।

शरद की सुबह

नक़्श की तरह उभरना
भी तुम्ही से सीखा
रफ़्ता रफ़्ता नज़र आना
भी तुम्ही से सीखा

तुम से हासिल हुआ इक
गहरे समुंदर का सुकूत
और हर मौज से लड़ना
भी तुम्ही से सीखा

अच्छे शेरों की परख तुम ने
ही सिखलाई मुझे
अपने अंदाज़ से कहना
भी तुम्ही से सीखा

तुम ने समझाए मिरी सोच
को आदाब अदब
लफ़्ज़ ओ मअनी से
उलझना भी तुम्ही से सीखा

रिश्ता-ए-नाज़ को जाना
भी तो तुम से जाना
जामा-ए-फ़ख़्र पहनना
भी तुम्ही से सीखा

छोटी सी बात पे ख़ुश
होना मुझे आता था
पर बड़ी बात पे चुप
रहना तुम्ही से सीखा

– ज़ेहरा निगाह

वन्य-जीव संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में घड़ियाल और कछुओं का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है। विलुप्त होते जीवों के संरक्षण के संकल्प के साथ मध्यप्रदेश सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के

- **मुख्यमंत्री ने कूनो नदी में रिलीज किये घड़ियाल और कछुए**

क्षेत्र में निरंतर प्रगति हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू हुआ चीता प्रोजेक्ट निरंतर सफलता की ओर आगे बढ़ रहा है। इससे प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 48 हो गयी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में घड़ियाल और कछुओं को रिलीज करने के बाद यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष मध्यप्रदेश आने वाले सैलानियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में 53 घड़ियाल और 25 कछुए नदी में रिलीज किये। गेवेलियस गेंगेटिक्स नाम के छोड़े गये 53 घड़ियाल में से 28 नर एवं 25 मादा शामिल हैं। इसी प्रकार 25 कछुए थ्री स्ट्रिप्ड रूफ टर्टल प्रजाति के हैं, जिनका वैज्ञानिक नाम वाटागुरु डोगोका है।

इस अवसर पर वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल, पूर्व वन मंत्री श्री रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री तुरसनपाल बरिया, उपाध्यक्ष श्री सीताराम आदिवासी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गुड्डीबाई आदिवासी, विधायक श्री बृजराज सिंह चौहान, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव, कमिश्नर श्री सुरेश कुमार, डीआईजी श्री सचिन अतुलकर, कलेक्टर श्री अर्पित वर्मा, संचालक राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य, डीएफओ श्री हरीश बघेल, कूनो डीएफओ श्री आर. थिरुकुराल और जन-प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस दौरान राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य देवरी मुरैना की ओर से स्मृति-चिन्ह भेंट किये गये।

नौसेना का 2035 तक 200 से अधिक जहाजों का लक्ष्य

- नेवी चीफ ने बताया बड़ा प्लान, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने नेवी की तैयारियों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना का लक्ष्य 2035 तक 200 से अधिक जहाजों वाले नौसैन्य बल के रूप में बदलने है। साथ ही, 2026 में 15 अतिरिक्त जहाजों को शामिल करने की योजना है। उन्होंने चेन्नई बंदरगाह पर आईएनएस अंजदीप को सेवा में शामिल किए जाने के बाद कहा कि नौसेना का दीर्घकालिक लक्ष्य है। इसके तहत, पोत निर्माण में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना और 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बल के रूप में विकसित होना है। दिनेश त्रिपाठी ने कहा, नौसेना की अभियानगत क्षमता हिंद महासागर क्षेत्र और उससे आगे तक फैली हुई है, जिसमें नौसैन्य इकाइयां निगरानी, जलदस्यु रोधी और समन्वित गश्त के लिए लगातार तैनात रहती हैं, जो निरंतर पहुंच और विश्वसनीय अभियान क्षमता को दर्शाती हैं।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c

न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 02 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

'दिल्ली लखपति बिटिया योजना' का शुभारंभ आज

- राष्ट्रपति करेंगी शुभारंभ,सीएम बोलीं मिलेगा आर्थिक सुरक्षा कवच

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं और बालिकाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में दिल्ली सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना पर आधिकारिक मुहर लगने जा रही है। सोमवार 2 मार्च को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में एक विशेष व भव्य कार्यक्रम 'सशक्त नारी समृद्ध दिल्ली' आयोजित किया जाएगा। समारोह में देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु दिल्ली सरकार की महत्वाकांक्षी ' दिल्ली

लखपति बिटिया योजना ' का औपचारिक शुभारंभ करेंगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण के प्रति दिल्ली सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि बदलते समय और उच्च शिक्षा की बढ़ती लागत को देखते हुए बालिकाओं के लिए प्रभावी और भविष्योन्मुखी योजना बनाने की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि पूर्व संरचना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र बालिका के नाम पर संस्थागत जन्म होने पर 11,000 रुपए दिए जाएंगे।

जंग के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल टैंकर पर हुआ हमला

- ओमान न्यूज एजेंसी का दावा,क्रू में भारतीय भी शामिल

तेहरान (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में इजरायल-ईरान के बीच जारी जंग से तनाव चरम पर पहुंच गया है। अली खामेनेई की मौत से दुनियाभर के कई देशों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच, ओमान ने रविवार को कहा कि स्ट्रेटेजिक होर्मुज स्ट्रेट में एक ऑयल टैंकर पर हमला हुआ, जिसमें उसमें सवार

चार नाविक घायल हो गए। इसमें सवार क्रू के सदस्य भारतीय भी थे। सरकारी ओमान न्यूज एजेंसी ने कहा कि हमला पलाऊ के झंडे वाले स्काईलाइट नाम के जहाज को निशाना बनाकर किया गया। इसने क्रू के सदस्यों को भारतीय और ईरानी बताया। हालांकि, यह साफ नहीं है कि जहाज पर किसने हमला किया, लेकिन यह तब हुआ जब अधिकारियों ने कहा कि जब से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया है, ईरान रेडियो के जरिए स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों को धमकी दे रहा है। यह स्ट्रेट इतना महत्वपूर्ण है कि यहीं से दुनियाभर को लगभग 20 फीसदी तेल जाता है। समुद्री अधिकारियों और ईयू नेवल मिशन के एक अधिकारी के मुताबिक, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने जहाजों को चेतावनी दी है कि स्ट्रेटेजिक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत नहीं है।

ईरान-इजराइल जंग से भारत की 50 फीसदी तेल सप्लाई पर संकट

सोना-चांदी महंगा हो सकता है, होर्मुज रूट बंद हुआ तो 10 फीसदी एक्सपोर्ट भी खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजराइल के बीच शुरू हुई जंग का असर भारत के तेल, व्यापार, शेयर बाजार और सोना-चांदी की कीमतों पर दिख सकता है। अगर दोनों देशों के बीच युद्ध और बढ़ता है तो होर्मुज स्ट्रेट बंद हो सकता है। इससे भारत को हर महीने होने वाली तेल सप्लाई का आधा हिस्सा खतरे में पड़ जाएगा। इसके अलावा भारत का नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट भी प्रभावित हो सकता है। इसका 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सा इस क्षेत्र से सप्लाई होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जंग बढ़ने से कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महंगा होने से महंगाई बढ़ती है और इसका असर शेयर बाजार पर भी पड़ेगा। ऐसे हालात में बाजार में बड़ी बिकवाली और गिरावट देखने को मिल सकती है। दूसरी तरफ, जब दुनिया में तनाव बढ़ता है तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की ओर जाते हैं। ऐसे समय में लोग सोना और चांदी खरीदना पसंद करते हैं। इसलिए इनकी कीमतों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

भारत के 10 फीसदी नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट पर भी संकट- सिर्फ तेल ही नहीं, भारत का व्यापार भी ईरान और इजराइल के युद्ध से संकट में है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट का 10 फीसदी से ज्यादा हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते ही जाता है।

भारत के लिए बहुत ही अहम है होर्मुज स्ट्रेट

ईरान और ओमान के बीच स्थित होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग है। भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर कच्चा तेल सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई जैसे देशों से मंगवाता है, जिसका बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। केपलर के लीड रिसर्च एनालिस्ट सुमित रितोलिया के मुताबिक, अगर इजराइल ईरान के तेल ठिकानों पर हमला करता है या ईरान इस रास्ते को ब्लॉक करता है, तो सप्लाई चेन पूरी तरह बंद हो जाएगी। इसका असर भारत के साथ-साथ ग्लोबल ऑयल मार्केट पर भी पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारत अपनी जरूरत का करीब 26 लाख बैरल कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) रोजाना इसी रास्ते से मंगवाता है।

9 छोड़े थे, अब 48 चीते हो गए: सीएम यादव

कहा- वाइल्ड लाइफ में भारत ने दुनिया में किया नाम, विधायक लोधी के घर भी पहुंचे

ग्वालियर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को ग्वालियर आए श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क में चीतों को छोड़े जाने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि हमारे मध्य प्रदेश का फॉरेस्ट समृद्ध हो रहा है। अफ्रीका से लाकर जो नर और मादा चीते छोड़े गए हैं, उन्होंने मध्य प्रदेश की साख और बढ़ाई है। वाइल्ड लाइफ को लेकर भारत का नाम दुनिया में हुआ है।

चीते एशिया महाद्वीप से विलुप्त हो गए थे, वे अब आबाद हो रहे हैं। हमें प्रसन्नता है कि 9 चीते छोड़ने के बाद अब इनकी संख्या 48 हो गई है।

सीएम बोले- मध्यप्रदेश अब सबसे ज्यादा टाइगर- ग्वालियर में सीएम डॉ. यादव ने कहा कि अब मध्य प्रदेश देश के अंदर सबसे ज्यादा टाइगर, सबसे ज्यादा लेपर्ड, सबसे ज्यादा चीते, और अब घड़ियाल के मामले में भी मध्य प्रदेश नंबर वन है। बीते समय की जो गणना सामने आई है उसके मुताबिक अब गिद्ध के आंकड़े भी समृद्ध हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने दौरे के दौरान कूनो नेशनल पार्क में प्रवास के दौरान कूनो नदी के माध्यम से जलचरों को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश सरकार की जो योजना है उससे आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए सभी प्रकार के रोजगार के अवसर टूरिज्म सेक्टर वन्य प्राणी के आधार से मिले। यह चंबल का सबसे समृद्ध इलाका है। मैं उम्मीद करुंगा कि इसका लाभ हम सबको मिले।

ग्वालियर, श्योपुर और अशोक नगर के दौरे पर हैं- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन सिंह यादव रविवार को ग्वालियर, श्योपुर व अशोक नगर के प्रवास पर हैं। वे दोपहर 12 बजे ग्वालियर पहुंचे। उन्होंने एयरपोर्ट से सीधे ग्राम जलालपुर पहुंचकर शिवपुरी के पिछोर से विधायक प्रीतम लोधी की माताजी भागवती बाई के निधन पर शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। विधायक प्रीतम लोधी की माताजी भागवती बाई का 26 फरवरी को लगभग 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष शहर जयप्रकाश राजौरिया, ग्रामीण भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

आर्मी मेजर की कार ने 5 गाड़ियां उड़ाईं, 4 घायल

महिला और गुस्साई भीड़ ने चप्पल से पीटा, हादसे के कारण 15 मिनट जाम रहा इंदौर-महू रूट

महू (इंदौर) (नप्र)। इंदौर के पास महू में आर्मी मेजर ने अपनी कार से एक बाद एक 5 गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद एक महिला ने मेजर की चप्पल से पिटाई कर दी। इस दौरान कुछ लोगों ने भी पीटा। घटना इंदौर-महू मार्ग पर किशनगंज रेलवे ब्रिज के नीचे रविवार सुबह करीब 8 बजे की है। हादसे में 4 लोग घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों ने घायलों को महू के सिविल अस्पताल पहुंचाया। प्रत्यक्षदर्शी बंटी के अनुसार, कार तेज गति में थी और चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक सवारों को टक्कर मारी। टक्कर के बाद कुछ बाइक सड़क पर दूर तक घिसट गईं।

रंग, स्वाद और रोजगार का संगम

भोपाल में होली मेले का आयोजन, आजीविका दीदियों ने बनाया ऑर्गेनिक गुलाल और महुआ के लड्डू

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में होली के अवसर पर आजीविका दीदियों ने रंग और रोजगार का अनोखा संगम रचा है। डीबी मॉल के पास भोपाल हाट में 21 फरवरी से 2 मार्च तक आजीविका मार्ट के रूप में होली मेला लगाया गया है। इस मेले का उद्देश्य आजीविका समूहों की महिलाओं को बाजार उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों को पहचान दिलाना और लोगों को शुद्ध व घरेलू सामान उपलब्ध कराना है। यहां मध्य प्रदेश के कई जिलों से आई जीविका दीदियां अपने हाथों से बने उत्पाद बेच रही हैं।

भोपाल समेत 15 से 20 जिलों की जीविका दीदियां शामिल- इस होली मेले में भोपाल, भिंड, मुरैना, इंदौर, सीहोर, सागर, सीधी, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, सिंगरौली, सतना, दमोह, छतरपुर, निवाड़ी, धार, झाबुआ, मंदसौर, खरगोन, बैतूल, विदिशा और बुरहानपुर जैसे जिलों की जीविका दीदियां शामिल हुई हैं। मेले में हैंडलूम उत्पाद, ऑर्गेनिक गुलाल और अलग अलग जिलों के पारंपरिक खान पान की व्यवस्था की गई है। यहां पहुंचने वाले लोगों को एक ही स्थान पर पूरे प्रदेश की संस्कृति और स्वाद की झलक देखने को मिल रही है।

बालाघाट की दीदियों ने बताया ऑर्गेनिक गुलाल बनाने की प्रक्रिया

बालाघाट से आई आजीविका दीदियों ने बताया कि होली के लिए पूरी तरह ऑर्गेनिक गुलाल तैयार किया गया है। गुलाल बनाने के लिए पहले अरारोट या पलाश के फूल को सुखाया जाता है। फिर उसमें अलग-अलग रंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्राकृतिक सामग्री मिलाते हैं जैसे- पीला रंग बनाने के लिए हल्दी और बेसन, लाल रंग के लिए चुकंदर।

दीदियों का कहना है कि इस गुलाल से किसी प्रकार का रिएक्शन नहीं होता क्योंकि इसमें कोई केमिकल नहीं मिलाया जाता। पर्यावरण और त्वचा दोनों के लिए यह सुरक्षित है।

काशी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, चीन को पछाड़ा

- गिनीज बुक में 1 घंटे में सबसे अधिक पौधे रोपने का रिकॉर्ड, मोदी ने गोद लिया था गांव

वाराणसी (एजेंसी)। यूपी की आध्यात्मिक नगरी वाराणसी ने अब हरियाली के क्षेत्र में विश्व रिकॉर्ड बनाया है। सुजाबाद-डोमरी में एक घंटे में 245103 पौधे लगाकर चीन के नाम दर्ज गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ा गया। इस ऐतिहासिक पल को दर्ज करने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ऋषि नाथ के नेतृत्व में डोमारी में मौजूद रही। इसके पहले चीन में 2018 एक घंटा में 153981 पौधे लगाकर रिकॉर्ड बनाया था। दरअसल, नगर निगम क्षेत्र में करीब एक साल पहले शामिल डोमरी गांव में 350 बीघा क्षेत्र को आधुनिक 'शहरी वन' परियोजना के तहत विकसित किया है। रविवार को अभियान के तहत एक घंटे में मियावाकी टेक्निक से पौधारोपण कर रिकॉर्ड बनाने की पहल की गई।

केजरीवाल बोले-कोर्ट का फैसला भाजपा के मुंह पर करारा तमाचा

- हमें खत्म करने के लिए मोदी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कथित शराब घोटाले में कोर्ट का फैसला भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर जोरदार तमाचा है। उन्होंने दिल्ली के जंतर मंतर पर शुक्रवार को एक रैली में कहा कि एएपी को खत्म करने के लिए मोदी जी खुद इस केस की मॉनिटरिंग कर रहे थे। उन्होंने मोदी और शाह पर 4 साल तक परेशान करने का आरोप लगाया। शराब घोटाले के में बरी होने के

बाद इस रैली का आयोजन किया गया था। उन्होंने रैली में शराब घोटाले केस में कोर्ट के फैसले की तारीफ की। उन्होंने इसे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और देश के लोगों के पक्ष में बताया। बीजेपी नेताओं ने मुझ पर 100 करोड़ रुपए लेने और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, लेकिन अदालत ने कहा कि केस फर्जी है। अदालत का फैसला मोदी, अमित शाह और बीजेपी के लिए करारा जवाब है। एएपी को खत्म करने के लिए खुद प्रधानमंत्री इस केस की निगरानी कर रहे थे।

महाराष्ट्र के नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट, 17 की मौत

मटेरियल बनाते वक्त धमाका हुआ,छाई दहशत

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है।

पीएम ने जताया शोक मदद का ऐलान

वहीं पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की। नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है। रविवार सुबह कर्मचारियों ने काम शुरू ही किया था, तभी प्लांट में डेटोनेटर बनाने की प्रोसेस के दौरान एक तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हादसे के दौरान कंपनी में 30 से ज्यादा कर्मचारी काम कर रहे थे।

सीएम फड़णवीस ने दिए जांच के आदेश

मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, नागपुर जिले के राउलगांव में विस्फोटक कारखाने में हुआ विस्फोट अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। मैं स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हूं। जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी मौके पर मौजूद हैं। राहत कार्य तेज कर दिया गया है और अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है। मैं मृतकों को अपनी गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। हम उनके परिवारों के दुख में शामिल हैं।

- पुडुचेरी में कहा-कांग्रेस-डीएमके ने विकास में बाधा डाली, अब ये फिर सत्ता के लिए भूखी

पीएम ने मदुरै में 4,400 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए

चेन्नई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को तमिलनाडु के मदुरै पहुंचे। यहां उन्होंने 4,400 करोड़ रुपए से ज्यादा के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का भी उद्घाटन किया। साथ ही तमिलनाडु में आठ नए बने अमृत भारत रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया। चेन्नई बीच चेन्नई एग्मोर चौथी लाइन देश को समर्पित की। इसके बाद एनएच-332ए के मरक्कनम-पुडुचेरी सेक्शन और एनएच-87 के परमकुडी-रामनाथपुरम सेक्शन की फोर-लेनिंग की आधारशिला रखी। पीएम कुंभकोणम, येरकॉड और वेल्लोर में तीन नए आकाशवाणी रिले ट्रांसमीटर का उद्घाटन भी किया। इसके बाद मोदी सभा को संबोधित किया। इसके पहले मोदी ने पुडुचेरी में 2,700 करोड़ रुपए से ज्यादा के अलग-अलग प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया।

हमने 4400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी

आज का कार्यक्रम तमिलनाडु के विकास सफर में एक गौरवशाली अध्याय का प्रतीक है। हमने 4400 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनका उद्घाटन किया और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। ये परियोजनाएं संपर्क व्यवस्था में बदलाव लाएंगी, अर्थव्यवस्था को गति देंगी, रोजगार सृजित करेंगी और लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाएंगी। पीएम ने कहा कि कांग्रेस और डीएमके ने हमेशा विकास में बाधा ही डाली है। यह दोनों पार्टियां फिर से सत्ता की भूखी हैं। आपको इनसे सतर्क रहना है।

कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली में बैठे एक परिवार के लिए एटीएम बना दिया था

कांग्रेस-डीएमके शासनकाल में राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, अपराध और गरीबों की बदहाली छाई रही। राशन की दुकानों में चावल नहीं मिलते थे, वेतन में देरी होती थी, सड़कों पर गुंडे और ड्रग माफिया का राज था। कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली में बैठे एक परिवार के लिए एटीएम बना दिया था। डीएमके की बात करें तो, तमिलनाडु में भी हो रहे घोटालों की एक लंबी सूची सामने आ रही है। कांग्रेस और डीएमके पुडुचेरी के विकास पथ में बाधक बन गए थे। अब वही ताकतें फिर से सत्ता के लिए भूखी हैं। कांग्रेस ने पुडुचेरी को दिल्ली में बैठे एक परिवार के लिए एटीएम बना दिया था। डीएमके की बात करें तो, तमिलनाडु में भी इसी तरह के घोटालों की लंबी सूची देखने को मिल रही है। कांग्रेस और डीएमके पुडुचेरी के विकास पथ में बाधक बन गए थे। अब वही ताकतें फिर से सत्ता के लिए भूखी हैं।

हो जाइए सतर्क ! अबकी कहर ढाएगी गर्मी

मार्च से मई तक पड़ेगी भीषण गर्मी,आईएमडी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल मार्च से मई महीने के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में लू से प्रभावित दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अपने मासिक पूर्वानुमान में यह जानकारी दी। आईएमडी के मुताबिक इन क्षेत्रों में पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दक्षिणी और पूर्वी महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल में गंगा के मैदान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं।आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि मार्च-अप्रैल-मई के दौरान सामान्य से अधिक दिनों तक लू के प्रकोप की आशंका सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संसाधनों, बिजली की मांग और आवश्यक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है, विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों, खुले में काम करने वाले श्रमिकों के लिए।

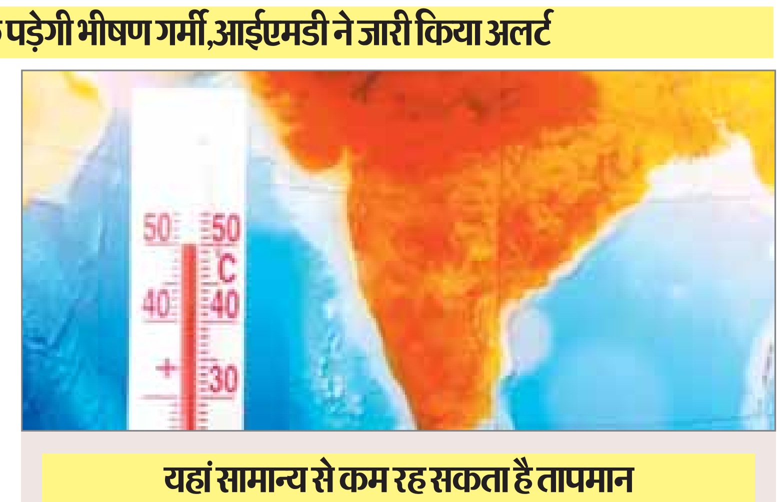

यहां सामान्य से कम रह सकता है तापमान

हालांकि, मार्च के दौरान, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र के कुछ हिस्सों और मध्य और प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर, देश के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। इस बीच, उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों, दक्षिणी प्रायद्वीप और पूर्वी तट के कुछ हिस्सों को छोड़कर, देश के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य रहने की संभावना है, जहां मार्च के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।

बाउंड ओवर में एसीपी मिजवानी ने बाजी मारी, प्रदर्शन में पिछड़े चौहान

सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए सक्रियता अनिवार्य

इंदौर। इंदौर नगरीय पुलिस सीमा में अधिकारियों की कार्यक्षमता और मैदानी सक्रियता को लेकर की गई समीक्षा के परिणाम सामने आए हैं। शहर के 32 थानों के बाद अब 12 सहायक पुलिस आयुक्तों (एसीपी) का रिपोर्ट कार्ड तैयार किया गया है। इस मूल्यांकन में हीरानगर क्षेत्र की एसीपी रुबिना मिजवानी ने प्रतिबंधात्मक कार्रवाई (बाउंड ओवर) के मामले में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

एसीपी रुबिना मिजवानी के कार्यक्षेत्र में अपराधियों पर नकेल कसने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए। उनके रिकॉर्ड के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैं। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए 250 से अधिक फाइनल बाउंड ओवर और 500 से ज्यादा अंतरिम बाउंड ओवर किए गए। शिकायत निवारण के तहत प्राप्त 14 शिकायतों में से 6 का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। 35 संवेदनशील मामलों का सुपरविजन करने के साथ ही उन्होंने 15 बार पुलिस थानों का आकस्मिक निरीक्षण किया।

सराफा क्षेत्र का प्रदर्शन कमजोर

दूसरी ओर, सराफा क्षेत्र के एसीपी हेमंत चौहान रैंकिंग में सबसे निचले पायदान पर रहे। उनके पिछड़ने के मुख्य कारण उनके अधीन आने वाले सराफा, छत्रीपुरा और पंढरीनाथ थानों का लचर प्रदर्शन रहा। उनके रिपोर्ट कार्ड में केवल 40 फाइनल और 40 अंतरिम बाउंड ओवर दर्ज हुए, जबकि 23 शिकायतों में से केवल 6 का ही निराकरण हो सका।

ऐसे होगा मूल्यांकन

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा गठित विशेष समिति ने कुछ पैमानों पर अधिकारियों को परखा। न्यायालयीन एवं प्रशासनिक कार्य- केसों की सुनवाई और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया। कानून-व्यवस्था के तहत क्षेत्र में शांति बनाए रखना और बीट सुपरविजन करना। फील्ड विजिट में थानों का औचक निरीक्षण और टीम वर्क किया। पुलिस आयुक्त द्वारा चलाए गए विशेष अभियानों का क्रियान्वयन।

लापरवाही पर गाज

रिपोर्ट कार्ड के आधार पर थानों के स्तर पर भी कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मूल्यांकन में कोतवाली थाना सबसे फिसड्डी साबित हुआ, जिसके बाद पुलिस आयुक्त ने सख्त रुख अपनाते हुए थाना प्रभारी रवींद्र पाराशर को फील्ड से हटाकर प्रशिक्षण पर भेज दिया है। उनके स्थान पर संतोष दुबे को कमान सौंपी गई है। पाराशर को 26 फरवरी से 8 मार्च तक वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में फिंगरप्रिंट जांच, कानून-व्यवस्था के प्रबंधन और अदालती कार्यों की बारीकियां सीखनी होंगी। यह समीक्षा स्पष्ट करती है कि शहर की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था में सुधार के लिए अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि धरातल पर अफसरों की सक्रियता और परिणाम अनिवार्य हैं।

यह ट्रेन इंदौर से 4 मार्च से 25 मार्च तक संचालित होगी

होली स्पेशल इंदौर-खड़की के बीच चलेगी, रतलाम व नागदा स्टॉपेज

इंदौर। होली पर ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को देखते हुए होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है। पश्चिम रेलवे द्वारा रतलाम रेल मंडल के इंदौर से खडकी (पुणे) के बीच स्पेशल ट्रेन स्पेशल किराये के साथ चलाई जा रही है।

गाड़ी संख्या 09324 इंदौर खडकी स्पेशल, इंदौर से 4 मार्च से 25 मार्च तक चलेगी। यह ट्रेन इंदौर से प्रति बुधवार को 11.15 बजे चलेगी। अगले दिन 2.50 बजे खड़की रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का देवास (11.50/11.52), उज्?जैन (12.40/12.45), नागदा (13.57/14.00) एवं रतलाम (14.35/14.40) बजे आगमन / प्रस्थान होगा। गाड़ी संख्या 09323 खडकी-इंदौर स्पेशल, खडकी से 5 मार्च से 26 मार्च तक चलेगी। यह ट्रेन खडकी से प्रति गुरुवार को 4.40 बजे चलेगी। गुरुवार को ही 23.55 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (20.30/20.35), नागदा (21.10/21.15), उज्?जैन (22.05/22.07) एवं देवास (23.00/23.02) बजे आगमन / प्रस्थान होगा।

इन स्टेशनों पर स्टॉपेज- यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागदा, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, कल्?याण एवं लोनावाला स्?टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे।

सोते हुए सिक्युरिटी गार्ड की संदिग्ध मौत

इंदौर। खजराना थाना क्षेत्र में सिक्योरिटी गार्ड की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि ड्यूटी से लौटने के कुछ समय बाद उन्हें तेज घबराहट हुई और मुंह-नाक से झाग निकलने लगा। अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई। मृतक बहादुर पिता देवीलाल(45) देवास नाका क्षेत्र में सिक्युरिटी गार्ड की नौकरी करता है। वह पांच महीने पहले उज्जैन से यहां कृष्ण बाग कॉलोनी में रहने आया था। गुरुवार को खाना खाकर वह आराम कर रहा था, तभी घबराहट महसूस होने लगी। पत्नी तुरंत निजी अस्पताल ले गई, जहां से उन्हें एमवाय में रैफर कर दिया था। यहां उपचार के दौरान मौत हो गई।

ऑफिस में गिरे युवक की मौत

विजय नगर थाना क्षेत्र में निजी कार्यालय में काम कर रहे युवक की गिरने से मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में डॉक्टरों ने हार्ट अटैक की आशंका जताई है। घटना के बाद कार्यालय और परिवार में शोक की लहर है। मृतक सहज पिता संदीप चौबे (30) मित्र बंधु नगर के निवासी थे। वे विजय नगर स्थित मेट्रो टावर में निजी कंपनी में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, वे रोज की तरह काम कर रहे थे। सहज की शादी दो माह पहले हुई थी। वे पत्नी और मां के साथ रहते थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गाली देने से रोका तो मां को चाकू मारा

इंदौर। शराब के नशे में धुत युवक घर में गाली बक रहा था। जब मां ने उसे रोका तो तैश में आकर चाकू मार दिया। घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र के वाल्मीकि नगर की है। घायल महिला यशोदा ने बताया कि उसका बेटा प्रथम उर्फ भूरा डांडे नशे में गाली-गलौज कर रहा था। मना करने पर मारपीट की। इसी प्रकार, ग्राम ढाबली में तेज रफ्तार से बाइक चलाने की बात पर बदमाशों ने युवक पर चाकू से हमला कर दिया। घायल अनिल पिता बाबूलाल राठौर निवासी स्कीम नंबर 114 ने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ किराना दुकान के पास से जा रहा था। तभी गोलू उर्फ कालू, जय और उनके एक अन्य साथी ने रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने तेज रफ्तार में बाइक चलाने को लेकर आपत्ति जताई। फरियादी ने विरोध किया तो मारपीट की। लसूड़िया पुलिस ने केस दर्ज किया है।

जमीन विवाद में सिर फोड़ा

इंदौर। जमीन विवाद में चार बदमाशों ने सरिए से युवक का सिर फोड़ दिया। खुडैल पुलिस के मुताबिक, मारपीट की यह घटना तिल्लौर खुर्द स्थित शिवशक्ति कोल्ड स्टोर के पीछे हुई। घायल दीपक उर्फ बाला पिता सुभाष पटेल निवासी पिपलियाराव की शिकायत पर पुलिस ने आलोक पिता सोमचंद गुप्ता निवासी रानीबाग और सुधीर उर्फ कन्नू महाडिक व एक अन्य पर केस दर्ज किया है।

महिला को पीटा

ग्राम चिमली में विवाद के चलते दो आरोपियों ने महिला को बेल्ट और डंडों से पीटा। सांवेर पुलिस को पीड़िता शाजिदा पति अजगर पटेल ने बताया कि उसके साथ हमीद पिता अब्दुल जब्बार पटेल और अब्दुल जब्बार पटेल निवासी ग्राम नायता पोलाय टोंकखुर्द ने मारपीट की।

नकली एसेसरीज बेचते गिरफ्तार

इंदौर। ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ खजराना रोड स्थित दुकान पर छापा मारा। पुलिस ने यहां से एप्पल कंपनी का नकली मोबाइल एसेसरीज का जखीरा जब्त किया है। यह कार्रवाई आनंद बाजार स्थित दुकान पर की गई। शिकायतकर्ता विशाल जडेजा निवासी मणीनगर, अहमदाबाद ने बताया कि रैक पर प्रदर्शित मोबाइल कवर, एडेप्टर और एयरपॉड्स पर एप्पल कंपनी के असली लोगो से मिलते-जुलते चिन्ह पाए गए, जिन्हें विशेषज्ञ ने नकली करार दिया था।

डिजीटल अरेस्ट कर दंपत्ति से हड़पे एक करोड़ 15 लाख रू

फर्जी एटीएस अधिकारी ने केस में फंसाने की धमकी दी

इंदौर। फर्जी एटीएस अधिकारी बनकर ठग ने दंपति को डिजीटल अरेस्ट किया और मनी लांड्रिंग केस में फंसाने की धमकी देते हुए एक करोड़ 15 लाख रुपए ऐंठ लिए। घटना साढ़े तीन माह पहले 15 नवंबर को हुई थी।

हीरानगर पुलिस को फरियादी सुमनलता पति विजय सक्सेना ने बताया कि वे लोक निर्माण विभाग से सेवानिवृत हुए हैं। रिटारमेंट के समय कुछ पैसा मिला था, जिसे बैंक में जमा किया है। वहीं, दीपावली के बाद थाना क्षेत्र में स्थित अपनी प्रापर्टी 85 लाख रुपए बेची थी। रिटायरमेंट और प्रापर्टी सेल का पैसे करीब एक करोड़ 15 लाख रुपए बैंक में जमा थे। इन पैसों की दो अलग-अलग एफडी की थी। उनके मोबाइल पर 15 नवंबर 2025 को वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुणे एटीएस मुख्यालय का अधिकारी चंद्रभान सिंह बताया। उसने दावा किया कि सुमन के नाम से जम्मू स्थित एचडीएफसी बैंक खाते में मनी लांड्रिंग के तहत लाखों रुपए का का संदिग्ध लेनदेन हुआ है, जो आतंकवाद से जुड़ा है।

दूसरे दिन फिर किया कॉल

सुमन ने जब ऐसे किसी खाते से इनकार किया तो आरोपी ने फोन काट दिया। अगले दिन 18 नवंबर को दोबारा संपर्क कर कहा कि मामला अब उसके सहयोगी प्रदीप लाल को सौंपा जा रहा है। 19 नवंबर को दूसरे नंबर से वीडियो कॉल कर आरोपियों ने दंपति को पूछताछ के नाम पर घंटों कैमरे के सामने बैठाए रखा। उन्हें धमकी दी गई कि सहयोग नहीं किया तो गिरफ्तारी होगी, संपत्ति जब्त कर ली जाएगी और बच्चों को जान से मार दिया जाएगा। डरे हुए दंपति से आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक और अन्य दस्तावेज मंगवाए गए। इसके बाद दो बैंक खातों में ‌ह्लजांच पूरी होने तक सुरक्षित ट्रांजेक्शनह्व के नाम पर पैसा जमा करने को कहा गया।

एनईएफटी से दिया पैसा

20 नवंबर को सुमन ने 49.70 लाख, विजय ने 65.30 लाख रुपए एनईएफटी के जरिए ठगों के खातों में जमा कराए। ठगों ने पीड़ितों को यह भी कहा कि बैंक में पूछे जाने पर पैसा बेटियों को भेजने की बात कहें। लगातार तनाव के कारण विजय की तबीयत बिगड़ गई थी। कुछ दिन बाद सुमन ने घटना अपने दामाद को बताई। इसके बाद 27 फरवरी को एफआईआर दर्ज की गई।

इन नंबरों से आए कॉल

पीड़िता को पहले 8402823868 नंबर से चंद्रभान नामक युवक और फिर 8511309468 नंबर से प्रदीप लाल ने कॉल किया। एक आरोपी पुलिस की वर्दी में नजर आया। उसने पुलवामा व पहलगाम की घटनाओं का हवाला देकर डराने की कोशिश की। पुलिस मोबाइल नंबर को ट्रेस करने में जुट गई है।

6 बदमाश जिला बदर, 12 को रोज देना होगी थाने में हाजिरी

होली से पहले पुलिस की कार्रवाई, कई पर ढेरों अपराध

इंदौर। पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने संबंधित जोन के पुलिस अधिकारियों से मिले प्रतिवेदन पर कार्रवाई करते हुए 6 कुख्यात बदमाशों को जिला बदर और 12 शातिर बदमाशों को थाना हाजिरी के लिए निर्बंधन आदेश जारी किया है।

इन 12 बदमाशों को निर्धारित समय अवधि पर संबंधित थाने पर हाजिरी देना होगी। असंवैधानिक गतिविधियों में संलिप्त नहीं रहेंगे। शहर में लोक शांति को भंग करने का कोई काम नहीं करेंगे। इनका उल्लंघन करने पर पुलिस वैधानिक कार्रवाई करेगी। इनके द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इन पर गंभीर धाराओं के कई थानों में अपराध दर्ज है।

इनको किया जिला बदर

आकाश उर्फ बकरी पिता सुनील भिलवारे, उम्र 31, निवासी 25 अनुराधा नगर जनता क्वार्टर हाल भावना नगर थाना तेजाजी नगर इंदौर (अवधि - 1 वर्ष) 2. राहुल उर्फ पम्पा पिता दिनेश बौरासी, उम्र 26, निवासी 288 बड़ी ग्वालटोली थाना पलासिया इंदौर (अवधि- 6 माह) 3. साजिद पिता इस्लाम खान, उम्र 28, निवासी 985 कृष्णबाग कॉलोनी थाना एमआईजी इंदौर (अवधि- 3 माह) 4. सोहेल उर्फ टिंकू पिता सिराज खान, उम्र 28, निवासी 187 न्यू खिजराबाद थाना खजराना इंदौर (अवधि-3 माह) 5. सुदीप उर्फ सुमित पिता रमाकांत मिश्रा, उम्र 27, निवासी 125 नरसिंह की चाल थाना एमआईजी इंदौर (अवधि- 3 माह) 6. हर्ष उर्फ हरीश पिता श्याम सोनी, उम्र 22, निवासी विकास नगर छोटा बांगड़दा थाना एरोड्रम इंदौर (अवधि- 3 माह)

रंगपंचमी गैर की तैयारियों का निरीक्षण

इंदौर। रंगपंचमी पर निकलने वाली ऐतिहासिक गैर यात्रा की तैयारियों को लेकर शहर में प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव, कलेक्टर शिवम वर्मा और पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह ने गौरा कुण्ड चौराहे से राजवाड़ा तक संपूर्ण गैर मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

महापौर ने कहा कि गैर यात्रा 'गैरों को अपना बनाने' की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है, जिसमें लाखों लोग शामिल होते हैं। सुरक्षा के मद्देनजर निर्माण स्थलों पर मजबूत बैरिकेडिंग, जर्जर भवनों की पहचान, वायर-केबल हटाने और सड़क मरम्मत के निर्देश दिए गए।

गैर में शामिल वाहनों की अनिवार्य फिटनेस जांच, ब्रेक-स्टेयरिंग परीक्षण और प्रत्येक वाहन में अतिरिक्त चालक रखने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

कलेक्टर ने सीसीटीवी कैमरे, चिकित्सा सुविधा, पेयजल व्यवस्था और पर्याप्त पुलिस बल तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गैर यात्रा के तुरंत बाद नगर निगम विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर मार्गों को शीघ्र साफ करेगा।

महू में भी शांति समिति की बैठक- आगामी होली, रंगपंचमी, रामनवमी और रमजान पर्व सदभावना पूर्वक मनाया जाए। त्यौहारों के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न होने दें। जहां भी शांति भंग करने का प्रयास किया जाएगा, वहां पुलिस सख्ती से निपटेगी। यह निर्देश कोतवाली थाना महू परिसर में शनिवार को आयोजित शांति समिति की बैठक में समाजों के प्रबुद्धजनों को दिए गए। बैठक में एसडीएम राकेश परमार, एसडीओपी ललित सिकरवार, नायब तहसीलदार राधावल्लभ धाकड़, टीआई राहुल शर्मा शामिल हुए।

दो ट्रकों से 80 लाख की बीयर पकड़ाई, दो आरोपी गिरफ्तार

2800 कार्टून 'बोल्ट सुपर स्ट्रांग' बीयर, दो वाहन जब्त

इंदौर। अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लसूडिया पुलिस ने देर रात बायपास क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 80 लाख रुपये कीमत की बीयर जब्त की। हैरानी की बात यह सामने आई कि एक ही परमिट का इस्तेमाल कर दो अलग-अलग ट्रकों से बीयर का परिवहन किया जा रहा था। पुलिस ने दोनों ट्रकों सहित लगभग एक करोड़ रुपये का माल जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमित सिंह के निर्देश तथा जोन-2 डीसीपी कुमार प्रतीक के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई। शुक्रवार देर रात मुखबिर की सूचना पर ट्रक (एमपी09 जीजी 7215 और एमपी09 एचजी 7050) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों में 1400-1400 कार्टून 'बोल्ट सुपर स्ट्रांग' बीयर लदी मिली। कुल 2800 कार्टून, यानी लगभग 33,600 बल्क लीटर बीयर की बाजार कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई है। प्रारंभिक जांच में खुलासा हुआ कि दोनों ट्रकों में एक ही परमिट की आड़ लेकर माल का परिवहन किया जा रहा था, जो आबकारी नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। पुलिस ने मौके से ट्रक चालक शेख अजगर (निवासी शाजापुर) और काशीराम डाबर (निवासी धार) को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी तारेश सोनी और उनकी टीम की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है।

आबकारी विभाग पर उठे सवाल

इस कार्रवाई के बाद आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। छोटी जब्तियों पर सक्रिय दिखने वाला विभाग इतने बड़े अवैध परिवहन से अनजान कैसे रहा? अब सबकी नजर इस बात पर है कि जब्त की गई बीयर किस ठेकेदार से जुड़ी है और किस शराब दुकान पर पहुंचाई जानी थी। आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

संपादकीय

मप्र: मुख्यमंत्री की छापेमारी!

मध्यप्रदेश में मुख्ययमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल के दो साल बाद राज्य मंत्रालय में कर्मचारियों की लेट लतीफी के खिलाफ छापेमारी अभियान छेड़ा है। कर्मचारी ईमानदारी से अपनी ड्यूटी पर आएं, पूरे समय काम करें, इस दृष्टि से इस मुहिम का जनता में सही संदेश जा रहा है, लेकिन कर्मचारियों पर इसका कितना असर होगा और कब रहेगा, कहना मुश्किल है। क्योंकि कर्मचारियों को कसने की कोशिशें तो पहले भी हुई हैं, लेकिन नाकाम रहीं। क्योंकि कर्मचारी लॉबी इतनी पावरफुल है कि सरकार और प्रशासन वास्तव में उन्हीं की मरजी से चलता है। मुख्यसमंत्री यादव के पास यह सूचनाएं पहले से थीं कि मंत्रालय (वैसे तो यह सभी सरकारी दफ्तरों की हालत है) में कर्मचारी न तो समय पर आते हैं और न ही ईमानदारी से दिनभर सीट पर बैठकर काम करते हैं। लिहाजा मुख्यमंत्री ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि सभी को ऑफिस टाइम यानी सुबह 10 से शाम छह बजे तक दफ्तर में ही रहना होगा। जो इस दौरान नहीं मिलेंगे उनपर कड़ी कार्रवाई होगी। जनकल्याणकारी योजनाओं और जनता से जुड़े मामलों में कोई भी लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं होगी। ड्यूटी के दौरान बिना किसी ठोस कारण के ऑफिस से गायब रहने वालों पर कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। सीएम के आदेश का उद्देश्य सरकारी फाइलों की गति बढ़ाना और जनता की शिकायतों का समय पर निराकरण करना है। लिहाजा सीएम के निर्देश पर वल्लभ भवन(मंत्रालय) विंध्याचल और सतपुड़ा भवन जैसे कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति की औचक जांच शुरू हो गई है। यह जांच सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की विशेष टीमें कर रही हैं। जो कर्मचारी समय पर अपनी कुर्सी पर नहीं मिले, उनके खिलाफ रिपोर्ट तैयार की जा रही है। जांच टीम के अधिकारियों ने सुबह 10 बजे प्रमुख विभागों में पहुंचकर हाजिरी रजिस्टर जांचें। एसीएस संजय शुक्ला ने औचक निरीक्षण किया व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को भी अपने-अपने विभागों में उपस्थिति की समीक्षा के निर्देश दिए। मंत्रालय में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक अधिकारियों की आवाजाही पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। लंच के बाद दफ्तर से नदारद रहने वाले एसओ से लेकर एडिशनल सेक्रेटरी तक की सूची तैयार कर मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजी गई है। सीएम ने साफ कहा है कि यदि कर्मचारियों और अफसरों की सीट से नदारद रहने की आदत नहीं सुधरी तो सप्ताह में छह दिन काम का पुराना पैटर्न फिर शुरू किया जा सकता है। साथ ही नई व्यवस्था में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश भी नहीं मिलेगा। उल्लेखनीय है कि पूर्व लोक प्रशासन सलाहकार डॉ. आरके मिश्रा के अनुसार, मंत्रालय के एक सेक्शन में रोज 25-40 फाइलें चलती हैं। यदि सेक्शन ऑफिसर 30-45 मिनट देर से आए तो 10-12 फाइलें रुकती हैं। 144 सेक्शनों में 30 प्रतिशत देरी से आएं तो 400-500 फाइलें प्रभावित हो सकती हैं। गौरतलब है कि सरकारी कर्मचारियों को अन्य क्षेत्रों की तुलना में बेहतर वेतन और भरपूर छुट्टियां मिलती है। इसके अतिरिक्त ऊपरी कमाई अलग। प्रदेश में कोरोना के समय से पांच दिन का सप्ताह होने से कर्मचारियों की और पौ बारह हो गई है। यूं 'फाइव डेज वीक' के बाद काम दिनों में एक घंटा बढ़ा दिया गया था, लेकिन कर्मचारियों की मानसिकता में रत्तीभर फरक नहीं पड़ा। वो अपनी मर्जी से आते हैं, बैठते हैं और जाते हैं। आधा समय तो चाय पीने और ठेलों पर नाश्ते पानी में गुजार दिया जाता है। आम नागरिक अपने काम के परेशान होते रहते हैं कि कर्मचारियों अधिकारियों से कहां मिलें। सीएम की पहल अच्छी है, लेकिन इसका फायदा तभी है, जब कुछ सकारात्मक और स्थायी नतीजा निकले।

उर्दू कट्टरपंथ की नहीं, बल्कि भारतीय भाषा है

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी विचारक हैं।

पिछले दिनों दैनिक भास्कर में श्री प्रियदर्शन का एक लेख छपा था जिसमें उन्होंने जयपुर साहित्य समारोह में फिल्मों की पटकथा और गीत के लेखक मार्क्सवादी श्री जावेद अख्तर की टिप्पणी को लेकर चर्चा की थी। इस लेख में श्री प्रियदर्शन ने इस साहित्य समारोह में श्री जावेद अख्तर की कथित टिप्पणी श्भारत पाक विभाजन का एक कारण उर्दू भी हैय का उल्लेख किया था। यद्यपि उन्होंने यह भी लिखा था कि यह टिप्पणी श्री जावेद अख्तर ने एकदम स्पष्ट नहीं की, बल्कि कुछ अस्पष्ट सी की थी और प्रियदर्शन जी ने इसका खुलासा देते हुए लिखा था कि डॉक्टर लोहिया ने मौलाना अब्दुल कलाम आजाद की पुस्तक श्इंडिया विंस फ्रीडम्य में वर्णित गलत तथ्यों की सफाई और सही तथ्यों के वर्णन के लिए जो उत्तर लिखा था वह ही एक पुस्तक का रूप बन गया जिसका नाम है श्भारत विभाजन के अपराधीय। इस पुस्तक में डॉक्टर लोहिया ने भारत पाक विभाजन के आठ कारण बताए थे जिसमें उर्दू कहीं नहीं है।

मैंने यह टिप्पणी लिखने से पहले श्री जावेद अख्तर के जयपुर साहित्य समारोह के दो वीडियो सुने। एक लगभग 50 मिनट का प्रश्नोत्तर में था पर उसमें उनकी उर्दू को लेकर टिप्पणी केवल उर्दू की उम्र को लेकर थी। दूसरा 3-4 मिनट का ऑडियो डाला गया था। जिसमें भी भाषा का संबंध धर्म से नहीं होता बल्कि क्षेत्र से होता है, यह कहा गया था। आज मेरे मित्र वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय तिवारी जी ने जयपुर के दैनिक भास्कर अखबार की एक कतरन भेजी है जिसमें प्रकाशित समाचार का विवरण है। इस रपट में एंकर वारिसा फ़ासत से बातचीत में श्इंडिया इन उर्दूय श्उर्दू इन इंडिया्य सेशन में श्री जावेद ने कहा उर्दू जुबान ने पाकिस्तान के टुकड़े करवाए। भारत में बसे लोग जो उर्दू को ही अपना मानते हैं वह तनाव बनाकर रखते हैं। भाषा कभी भी धर्म समाज की नहीं हो सकती। रीजन की भाषा होती है रिलिजन कि नहीं। इस रपट की एक पंक्ति भारत में बसे लोग वाली निसंदेह एक गलत संकेत देती है। एक तो जब वह कहते हैं भारत में बसे लोग। इसका संकेत बिना शक मुस्लिम की ओर जाता है। फिर यह कि वह भाषाई आधार पर यानी उर्दू को अपना मानकर तनाव बनाकर रखते हैं, यह तो और भी चिंताजनक वक्तव्य है। क्योंकि यह उर्दू भाषी समाज को कटघरे में खड़ा करता है और दोषी सिद्ध करता है। इस वाक्य को अलग इतिहास पर लागू करेंगे तो श्री प्रियदर्शन जी की टिप्पणी सही नजर आएगी। क्योंकि आज अगर उर्दू विशेष अपनत्व और तनाव का कारण है तो 1947 के विभाजन के पहले तो और भी ज्यादा तनाव का कारण रही होगी।

निसंदेह भारत पाक विभाजन के गुनहगार पुस्तक में डॉ. लोहिया ने जिन आठ व्यक्तियों या संगठनों को कम या ज्यादा जिम्मेदार माना था उनमें भाषा या उर्दू कहीं नहीं है उनमें मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा, जिन्ना, सावरकर, नेहरू, पटेल आदि शामिल हैं। यह भी डॉक्टर लोहिया की महानता थी कि उन्होंने अपनी पीड़ा को व्यक्त करते हुए इस अर्थ में एक गुनहगार अपने को भी माना कि वह अकेले ही प्रतिरोध पर क्यों नहीं बैठ गए। यद्यपि यह भी सत्य है कि डॉक्टर लोहिया ने न केवल कांग्रेस कार्यकारिणी में भारत पाक विभाजन का महात्मा गांधी के साथ विरोध किया था। गांधी का समर्थन किया था। इसके साथ ही डॉ. लोहिया ने महात्मा गांधी के बंगाल शांति मिशन और बाद में जलती दिल्ली को शांत करने के लिए कई बार अपनी जान को जोखिम में डालकर विभाजन की मानसिकता, दंगों और हिंसक प्रतिक्रियाओं का विरोध किया था।

भास्कर के लेख के अनुसार श्री जावेद अख्तर ने कहा की भाषा क्षेत्रीय होती है और धर्म की नहीं होती। उनका यह निष्कर्ष सही है। परंतु, उन्होंने उर्दू को ही अपनी भाषा मानने वाले भारत में बसे लोगों को तनाव बनाकर रखने का दोषी कैसे माना? तथा मानकर किस विचार को मजबूत किया है? अगर भारत को समग्र अतीत के साथ देखा जाए तो सभी भारतीय (उर्दू भाषी) की इस पंक्ति में छुपे निहितार्थ को इस रूप में समझा जा सकता है कि भारत में बसे मुसलमान उर्दू को मानते हैं और वह तनाव बनाकर रखते हैं। यह भारत के विभाजन का एक कारण कैसे माना? यह भी वे नहीं बता सके। ऐसा लगता है कि शायद उन्होंने जिस प्रकार फिल्मी पटकथा में लोकप्रिय होने वाले डायलॉग लिखे हैं, उसी का प्रयोग, इस जयपुर साहित्य समारोह में भी किया।

वैसे भी आजकल लिट् फेस्ट यानी साहित्यिक समारोह के नाम से एक नकल शुरू हुई है। जिसके पीछे खाता-पीता संपन्न तबका रहता है। करोड़ों रुपए खर्च किए जाते हैं जिन्हें प्रचारित करना है उन्हें सेलिब्रिटी बनाकर आमंत्रित कर प्रचारित किया जाता है और इसका मीडिया में भरपूर प्रचार होता है तथा संपन्न और श्रेष्ठी वर्ग देर तक इसका आनंद लेता है। फिर कई दिन तक उसकी जुगाली करता है। यानि जो स्थिति अब कवि सम्मेलनों की है कि अब वे प्रेरणा के नहीं बल्कि अब कमाई के जरिए हैं, लिट् फेस्ट भी इस दिशा में जा रहे हैं।

उर्दू ने तो आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आजादी का इतिहास भी उर्दू के बगैर अधूरा है। अमर शहीद भगत सिंह से लेकर चंद्रशेखर आजाद तक कितने ही क्रांतिकारी ऐसे थे जिन्होंने अपने जीवन में उर्दू का प्रयोग किया। उर्दू के शब्द भी न केवल लोगों को उत्साह से भरते थे बल्कि एक अलग अनुभूति देते थे। श्इंकलाब्य शब्द की भूमिका आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण थी। यह क्या किसी बड़े हथियार से कम थी और इंकलाब शब्द किस भाषा का है?

बांग्लादेश के बनने में एक कारण बांग्ला भाषा का भी था। क्योंकि भारत विभाजन के बाद पाकिस्तान के हुकुमरानों ने बंगला भाषा के ऊपर उर्दू थोपने का प्रयास किया था। उर्दू भारत के किसी क्षेत्र की भाषा नहीं बल्कि भारत में संस्कृत व हिंदी के ऐतिहसिक मिश्रण से जन्मी भाषा है। लोहिया कहते थे की सभी भारतीय भाषाएँ आपस में बहनें हैं जिसमें उर्दू भी शामिल है।

1971 में बांग्लादेश के निर्माण के समय भी बंगला भाषियों का विरोध उर्दू भाषा का नहीं था बल्कि बंगलादेश की एक राष्ट्रभाषा के तौर पर, शासन की भाषा के तौर पर, उर्दू को प्रतिष्ठित करने का था। जिस प्रकार लोहिया कहते थे कि हम अंग्रेजी के विरुद्ध नहीं है बल्कि अंग्रेजी के साम्राज्यवाद के खिलाफहै। उन्होंने तो यह भी लिखा था, वह भी बंगलादेश बनने के लगभग 20 वर्ष पूर्व और भारत विभाजन के वक्त कि पाकिस्तान एकजुट नहीं रह पाएगा, और इसमें एक कारण उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश की भौगोलिक दूरी को भी बताया था। सैकड़ों हजारों किलोमीटर दूर से गुलामी तो थोपी जा सकती है, परंतु आजाद या लोकतांत्रिक देश नहीं चलाया जा सकता।

उर्दू दुनिया में केवल भारत में ही बोली जाती रही है वरना बकाया मुस्लिम देशों में तो अरबी फारसी आदि रही हैं। उर्दू की पैदाइश भारत की ही जमीन पर हुई है इसमें जो शब्द हैं वह संस्कृत अरबी हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के मिलन से बने हैं। उर्दू लिपि भी अरबी और फारसी से भिन्न है।

यह इतिहास का तथ्य है कि जो बाहर के हमलावर तत्कालीन भारत में आए और भारत के लोगों के साथ उनका संपर्क संवाद और कुछ सम्मिलन हुआ उसी से एक मिश्रित भाषा के रूप में उर्दू पनपी।

भाषा के दो हिस्से होते हैं। एक बोली और एक लिपि। दरअसल भाषा का आधार व कसौटी भी लिपि ही है और बोली उसका जन-स्वरूप है। जिसे व्यक्ति अपनी जरूरत, समझ, ज्ञान क्षेत्र आदि के दृष्टिकोण से संवाद करने के लिए विकसित कर लेता है। इसलिए लगभग अनेकों भाषाओं में शुद्ध भाषा और जन भाषा में फर्क होता है।

पुणे की मराठी, मुंबई की मराठी और नागपुर की मराठी में थोड़ा फर्क होता है। हिंदी भी बोली के रूप में क्षेत्र परिवर्तन व अन्य आधारों पर शब्द परिवर्तन और उच्चारण परिवर्तन करती है। दरअसल औसतन हर 10-20 किलोमीटर पर बोली बदल जाती है।

श्री जावेद अख्तर जब उर्दू को विभाजन के गुनहगार बनाने का अस्पष्ट सा संकेत देते हैं तो वह एक प्रकार से संघ की भाषा ही बोलते हैं। जैसे एक जमाने में श्री सावरकर और हिंदू महासभा ने कहा था कि हिंदू और मुसलमान दो राष्ट्र हैं। यही बात जिन्ना ने भी कही थी। जैसा कि आज संघ कहता है हिंदी-हिंदू-हिंदुस्तान यानी हिंदी केवल हिंदुओं की भाषा है। इसका अप्रत्यक्ष अर्थ हो जाता है कि उर्दू मुसलमान की भाषा है तो क्या जाने-अनजाने जावेद भाई उसी भाषा के प्रतिरूप के रूप में नहीं बोल रहे हैं? जैसा संघ बोलता है। भाषा का उद्देश्य केवल संवाद पहुंचाना है और जिस भी भाषा में व्यक्ति अपने संवाद को बेहतर ढंग से पहुंचा सके वही उसके लिए उपयुक्त भाषा है। लोहिया ने अंग्रेजी का विरोध इसलिए किया था क्योंकि अंग्रेजी भारत में संवाद की भाषा नहीं थी बल्कि शोषण और शासकों की भाषा थी। दुनिया में कई बार ऐसा हुआ है कि शासन और धर्म की भाषा अलग अलग होती है। आमजन उसे अपने तरीके से, अपनी सुविधा से ढालकर ग्रहण करता है।

आज भी देश में करोड़ों ऐसे मुसलमान हैं जिन्हें अरबी तो छोड़ो उर्दू भी नहीं आती और लाखों नहीं करोड़ों ऐसे हिंदू हैं जो उर्दू को जानते हैं। भले ही लिपि न पढ़े हों पर बोल चाल में उर्दू के शब्दों का बेहतर प्रयोग करते है। मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास और साहित्यिक फिराक गोरखपुरी का लेखन क्या हिन्दी उर्दू शब्दों के साथ मेल का नहीं है? अगर उर्दू भाषी पाकिस्तान बनाने के पक्ष में होते तो सारे मुसलमान, सारे जमींदार मुसलमान चले जाते। उर्दू जानने वाले मुसलमानों का एक बड़ा हिस्सा, भारत में ही रह रहा है। भारत को अपनी भारतीय भाषाओं को एक समान मानना चाहिए। जनता तो मानती भी है। परंतु, विभाजन सत्ता और धर्म सिखाता है। ईसा मसीह की भाषा हिब्रूथी। ईशा को मानने वाले ईसाइयों की भाषा भिन्न-भिन्न है अंग्रेजी, लैटिन, जर्मन, इटालियन आदि आदि। बुद्ध की जन्म की भाषा शायद संस्कृत के नजदीक रही होगी। परंतु अनुयायियों की भाषा प्राकृत, पाली, थाई, बर्मी सिंहली आदि थी। दुनिया की कितनी भाषा रही होंगी, जहां बुद्ध का विस्तार हुआ। इसलिए बुद्ध ने अपने भारत के अनुयायियों को पाली में अपना दर्शन दिया और बुद्ध ग्रंथ भी अमूमन पाली में है। तिब्बत में वह तिब्बती में, चीन में मंडारिन (चीनी) में है। इस्लाम की शुरुआत में अरबी भाषा थी। परंतु इस्लाम जिस देश में पहुंचा वहां के लोगों ने उसे अपनी भाषा में स्वीकार किया। धर्म भी तभी फैल पाता है जब वह भाषा की स्वतंत्रता देता है और यही सिद्धांत सत्ता के लिए भी है। मुझे उम्मीद है जावेद भाई जो एक नेक इंसान हैं परंतु विभिन्न भूमिकाओं में विभाजित रहते हैं किसी दिन इस सत्य को स्वीकार करेंगे और अपने आप को संशोधित करेंगे।

राष्ट्रीय हितों पर आधारित नई विदेश नीति

पीएम की इजरायल यात्रा

- अंशुमान

लेखक संसद टीवी से सम्बद्ध पत्रकार हैं

भारत की विदेश नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ सामने आई है, उसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा है। यह यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं थी, बल्कि बदलते भारत की सोच, प्राथमिकताओं और रणनीतिक दृष्टि का प्रतीक थी। नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा को केवल एक द्विपक्षीय दौरे के रूप में देखना उसके वास्तविक महत्व को कम करके आंकना होगा। यह यात्रा उस नए भारत का प्रतीक है जो अपनी विदेश नीति में स्पष्ट, व्यावहारिक और आत्मविश्वासी है।

वास्तव में लंबे समय तक भारत की पश्चिम एशिया नीति संतुलन और अत्यधिक सावधानी पर टिकी रही। उस दौर में भारत कोशिश करता था कि वह किसी भी पक्ष को नाराज़ न करे, इसलिए कई बार उसके रुख में झिझक और अनावश्यक संकोच भी दिखाई देता था। रणनीतिक हित होने के बावजूद संबंधों को खुलकर आगे बढ़ाने में हिचक थी, परिणामस्वरूप भारत कई अवसरों पर अपनी संभावनाओं का पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाया। किंतु बदलते वैश्विक परिदृश्य, उभरती सुरक्षा चुनौतियों और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए निर्णय लेने में हिचकिचाएगा नहीं। इजरायल के साथ खुले और स्पष्ट रूप से संबंधों को सुदृढ़ करना इसी आत्मविश्वास का प्रमाण है। 1992 में पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ता रहा, लेकिन हाल के वर्षों में इसे जो सार्वजनिक स्वीकृति और रणनीतिक गहराई मिली है, वह एक नए अध्याय का संकेत है। रक्षा सहयोग इस संबंध का सबसे मजबूत आधार है। भारत जटिल सुरक्षा वातावरण का सामना कर रहा है जैसे सीमापार आतंकवाद, बॉर्डर पर तनाव, समुद्री सुरक्षा और उभरती साइबर चुनौतियाँ।

इज़रायल उन्नत ड्रोन तकनीक, मिसाइल रक्षा प्रणाली, निगरानी उपकरण और खुफिया सहयोग में अग्रणी रहा है। इस साझेदारी ने भारत की सामरिक तैयारी को मजबूत किया है। परंतु इस यात्रा का महत्व केवल रक्षा खरीद तक सीमित नहीं था, संयुक्त उत्पादन और तकनीक हस्तांतरण पर जोर इस बात का संकेत है कि भारत बस एक्सपोर्ट नेशन की भूमिका में नहीं रहना चाहता बल्कि अब वह आगे बढ़कर तकनीकी क्षमता विकसित करने की दिशा में गंभीरता से कदम उठा रहा है। वास्तविकता में यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और घरेलू उद्योगों के सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम है। इस यात्रा का दूसरा महत्वपूर्ण आयाम कृषि और जल प्रबंधन से जुड़ा है, जो सीधे भारत के ग्रामीण समाज और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।

इजरायल ने सीमित जल संसाधनों और प्रतिकूल भूगोल के बावजूद उन्नत तकनीकि के माध्यम से कृषि उत्पादन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है। ड्रिप इरिगेशन, सटीक खेती, जल पुनर्चक्रण और बीज अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में इजरायल की विशेषज्ञता भारत के लिए अत्यंत उपयोगी है। भारत में जल संकट और किसानों की आय दोनों गंभीर मुद्दे हैं। विभिन्न राज्यों में स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों ने यह दिखाया है कि तकनीक के सही उपयोग से कम पानी में अधिक उत्पादन संभव है। यदि इन पहलों को व्यापक स्तर पर लागू किया जाए तो यह केवल उत्पादन बढ़ाने का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि ग्रामीण आय, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास की दिशा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में इजरायल का अनुभव विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि वह अपने अधिकांश अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग करता है। भारत के अनेक शहर और गाँव जल संकट से जूझ रहे हैं, ऐसे में इस प्रकार की तकनीक और नीति सहयोग दीर्घकालिक समाधान दे सकते हैं। नवाचार और स्टार्टअप सहयोग इस यात्रा का भविष्य उन्मुख पक्ष है।

इजरायल को वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप नेशन की पहचान मिली है, इसमें कोई दो राय नहीं है कि इजरायल में शोध और विकास पर उच्च निवेश, जोखिम लेने की संस्कृति और तकनीकी नवाचार का मजबूत तंत्र मौजूद है। भारत की विशाल युवा आबादी, बढ़ता डिजिटल ढाँचा और उभरता उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र इस सहयोग को स्वाभाविक बनाता है। साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वास्थ्य तकनीक, कृषि तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान और निवेश भारत को तकनीकी प्रतिस्पर्धा में आगे ले जा सकते हैं। यह सहयोग केवल पूँजी निवेश तक सीमित नहीं है; यह ज्ञान, कौशल और वैश्विक नेटवर्क तक पहुँच का मार्ग भी खोलता है। इतना ही नहीं अगर आर्थिक दृष्टि से देखें तो व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग के नए अवसर भारत की विकास दर और रोजगार क्षमता को बढ़ा सकते हैं। विदेश नीति का मूल्यांकन केवल कूटनीतिक बयानबाजी से नहीं, बल्कि उसके ठोस परिणामों से होना चाहिए। यदि किसी यात्रा से रक्षा क्षमता मजबूत होती है, कृषि तकनीक उन्नत होती है, जल प्रबंधन सुधरता है, स्टार्टअप को वैश्विक अवसर मिलते हैं और निवेश प्रवाह बढ़ता है, तो उसका महत्व स्वाभाविक रूप से बढ़ जाता है।

दूरगामी और भू-राजनीतिक दृष्टि से देखें तो प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा केवल एक द्विपक्षीय कार्यक्रम नहीं थी, बल्कि संतुलित और परिपक्व कूटनीति का सशक्त उदाहरण थी। इजरायल के साथ संबंधों को खुले रूप में मजबूत करते हुए भारत ने वैश्विक मंच पर यह स्पष्ट संकेत दिया कि उसकी विदेश नीति अब किसी एक धुरी पर निर्भर नहीं है, बल्कि बहुस्तरीय और स्वायत्त है। इस यात्रा के साथ भारत ने वैश्विक स्तर पर यह संदेश भी दिया कि इजरायल के साथ गहराते रिश्ते किसी अन्य देश, विशेषकर पश्चिम एशिया के अरब देशों, के साथ उसके संबंधों को कमजोर नहीं करते। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा का एक और महत्वपूर्ण सकारात्मक पक्ष यह था कि इसने दोनों देशों के संबंधों को केवल सरकारों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि लोगों के बीच भी जुड़ाव बढ़ाने का रास्ता खोला। यह यात्रा भावनात्मक और सांस्कृतिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण रही। जब किसी देश का प्रधानमंत्री दूसरे देश में जाकर खुले तौर पर संबंधो को विश्वास के साथ व्यक्त करता है, तो उससे विश्वास का वातावरण बनता है। यही विश्वास आगे चलकर शिक्षा, पर्यटन, शोध और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी मजबूत करता है।

वैश्वविक राजनीति के स्तर पर देखें तो यह इजरायल की यात्रा उस व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है जिसमें भारत स्वयं को एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। पहले जहां भारत की कूटनीति कई बार प्रतिक्रियात्मक दिखाई देती थी, वहीं अब वह सक्रिय, पहल करने वाली और दीर्घकालिक रणनीति पर आधारित है। वह केवल परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया नहीं देता, बल्कि साझेदारियों के माध्यम से भविष्य की दिशा तय करने का प्रयास करता है। वैश्विक राजनीति के स्तर पर इस यात्रा के माध्यम से भारत का दुनिया को यह स्पष्ट संदेश भी है कि भारत अपने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सहयोगी राष्ट्रों का चयन अपने हितों के आधार पर करता है और दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ को प्राथमिकता देता है। भू-राजनीतिक स्तर पर देखें तो यह यात्रा केवल दो देशों के बीच संबंधों का विस्तार नहीं थी, बल्कि भारत की विदेश नीति के आत्मविश्वासी, परिणामोन्मुख और व्यावहारिक चरित्र की सार्वजनिक अभिव्यक्ति थी। यदि इन समझौतों और पहलों को निरंतरता और प्रभावी क्रियान्वयन मिले, तो यह साझेदारी आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा, आर्थिक शक्ति और तकनीकी क्षमता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकती है।

मौन विदाई- रिश्तों में प्रेम की ऊष्मा न रहना

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्?तंभकार हैं।

रिश्ते शब्दों से नहीं, संवेदनाओं से जीवित रहते हैं। वे केवल साथ रहने से नहीं, बल्कि मन से जुड़े रहने से फलते-फूलते हैं। जब दो लोग एक-दूसरे के सम्मान, भावनाओं और गरिमा को समझते हैं, तभी संबंधों में प्रेम की ऊष्मा बनी रहती है। परंतु कभी-कभी जीवन में ऐसा समय भी आता है जब वही रिश्ता, जो कभी हमारे लिए शक्ति का स्रोत था, धीरे-धीरे हमारे आत्मविश्वास को क्षीण करने लगता है। जब आपकी बातों का महत्त्व कम होने लगे, जब आपकी पीड़ा को हल्के में लिया जाने लगे, जब आपका अपमान भी सामान्य व्यवहार माना जाने लगे – तब समझ लेना चाहिए कि उस संबंध की आत्मा कहीं पीछे छूट चुकी है।

हर रिश्ता आरंभ में विश्वास और आशाओं से भरा होता है। हम अपना मन खोल देते हैं, स्वयं को पूर्ण रूप से समर्पित कर देते हैं। हमें लगता है कि सामने वाला हमारे मन की कोमलता को संभालकर रखेगा। किंतु जब बार-बार उपेक्षा मिले, जब संवाद के स्थान पर मौन दीवारें खड़ी हो जाएँ, तब भीतर एक पीड़ा जन्म लेती है। यह पीड़ा धीरे-धीरे आत्मसम्मान को चोट पहुँचाती है। और आत्मसम्मान वह आधार है, जिसके बिना कोई भी व्यक्ति भीतर से स्थिर नहीं रह सकता।

ऐसे समय में 'मौन विदाई' का विचार जन्म लेता है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम क्रोध में संबंध तोड़ दें या कटु शब्दों से आघात पहुँचाएँ। इसका अर्थ है, स्वयं को भावनात्मक रूप से उस बंधन से अलग कर लेना, जो हमें भीतर से तोड़ रहा है। यह एक शांत निर्णय होता है, परंतु अत्यंत साहसी। इसमें कोई शोर नहीं होता, कोई घोषणा नहीं होती। केवल एक आंतरिक स्वीकार होता है कि अब स्वयं को बचाना आवश्यक है।

यह स्थिति केवल पति-पत्नी के संबंधों तक सीमित नहीं है। यह हर उस संबंध पर लागू होती है जहाँ जुड़ाव तो बना रहता है, पर भावनाएँ समाप्त हो चुकी होती हैं। कई बार मित्रता में यह दूरी दिखाई देती है, कभी भाई-बहन के बीच, तो कभी माता-पिता और संतान के बीच भी। बाहर से सब कुछ सामान्य प्रतीत होता है, पर भीतर संवाद की धारा सूख चुकी होती है। शब्द बोले जाते हैं, पर उनमें अपनापन नहीं होता। संबंध का ढाँचा खड़ा रहता है, पर उसकी आत्मा लुप्त हो चुकी होती है।

कुछ लोग हमें अपने जीवन में बनाए रखना चाहते हैं, पर केवल सुविधा के कारण। उन्हें हमारी उपस्थिति की आदत होती है, हमारे योगदान की आवश्यकता होती है, या समाज के सामने एक छवि बनाए रखनी होती है। किंतु जब हमारी भावनाओं, हमारे सम्मान और हमारी सीमाओं का आदर नहीं किया जाता, तब वह संबंध धीरे-धीरे बोझ बन जाता है। हम उपस्थित रहते हैं, पर हमें अनुभव नहीं किया जाता। हमारी बातें सुनी जाती हैं, पर समझी नहीं जातीं।

रिश्ता केवल साथ रहने का नाम नहीं है; वह मन से जुड़े रहने का नाम है। यदि सामने वाला व्यक्ति संबंध बनाए रखना चाहता है, पर आपकी संवेदनाओं से उसका कोई संबंध नहीं, तो वह जुड़ाव अधूरा है। और अधूरे जुड़ाव लंबे समय तक आत्मा को संतोष नहीं दे सकते। वे धीरे-धीरे भीतर एक रिक्तता भर देते हैं। अक्सर हम संबंधों को बचाने के लिए स्वयं को ही बदलते रहते हैं। हम अपने शब्दों को रोकते हैं, अपनी इच्छाओं को दबाते हैं, अपने स्वाभिमान को भी समझौते की वेदी पर रख देते हैं। हम स्वयं से ही संघर्ष करते हैं, रोते हैं, फिर स्वयं को ही समझा लेते हैं कि सब ठीक हो जाएगा। परंतु जब हर बार झुकना हमें ही पड़े, हर बार समर्पण हमें ही करना पड़े, तब यह प्रेम नहीं रह जाता, यह आत्मपीड़ा बन जाता है।

जब हम भावनात्मक रूप से किसी संबंध से हटते हैं, तब हम धीरे-धीरे स्वयं के पास लौटने लगते हैं। हम अपने घावों को पहचानते हैं, उन्हें भरने का प्रयास करते हैं। हम सीखते हैं कि हमारी प्रसन्नता किसी और के व्यवहार पर आधारित नहीं होनी चाहिए। यह आत्मस्वीकृति की दिशा में पहला कदम होता है। और यहीं से आत्मसम्मान की नई शक्ति जन्म लेती है।

संभव है, हमारे इस शांत निर्णय से सामने वाला चकित हो जाए। संभव है, उसे तब अनुभव हो कि वह वास्तव में हमें खो चुका है। यदि उसके भीतर सच्ची संवेदना होगी, तो वह अपने व्यवहार पर विचार करेगा। किंतु हमारा निर्णय किसी परिवर्तन की आशा में नहीं होना चाहिए। वह केवल हमारे आत्मसम्मान की रक्षा के लिए होना चाहिए।

जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब हमें चुनना पड़ता है।संबंध को या स्वयं को। बुद्धिमत्ता इसी में है कि हम ऐसे बंधनों को न थामे रहें, जो हमें भीतर से खोखला कर रहे हों। क्योंकि जो संबंध हमारे सम्मान को नहीं समझता, वह हमारे प्रेम के योग्य भी नहीं। मौन विदाई अंत नहीं है; यह एक नई शुरुआत है। यह वह क्षण है जब हम स्वयं से कहते हैं मैं पर्याप्त हूँ। मुझे अपनी पहचान के लिए किसी के तिरस्कार की आवश्यकता नहीं। और जिस दिन यह वाक्य हमारे भीतर स्थिर हो जाता है, उसी दिन हम सच में मुक्त हो जाते हैं।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज के दौर के कैसे-कैसे रंग

व्यंग्य

अनुपमा अनुश्री

लेखक व्यंग्यकार हैं।

कितनी तरह के रंग और उनका तिलिस्म। हाँ ! 'तिलिस्म' कुछ जादू जैसा शब्द। जीवन में रंगों का संसार किसी जादू या तिलिस्म से कम है क्या? ज़रा पड़ताल करने निकलिए, कई तरह के रंग ,उनके तिलिस्म और रंगीन चेहरों के राज़ बिखर जाएंगे आपके समक्ष। कहा गया है मेरे अंदर छुपा एक बच्चा बड़ा होने से डरता है। ये बच्चे निस्वार्थता, प्रेम , दोस्ती , सदभावनाओं के रंगों में डूबते-डुबोते कितने सुहाने लगते हैं।

बड़ों की रंगीन दुनिया का क्या कहें, ये तो कुछ अलग ही रंगों में रंगे हुए हैं, कोई भ्रष्ट आचरण में रंगा है, कोई रंगों के आवरण में छुपा है।

असली चेहरे पर कितने रंग! अगर गिरगिट भी इन्हें देखे तो रह जाये दंग! आज के दौर में बढ़ती मूर्तियों की ऊंचाई और घटता मनुष्यता का कद, धर्म को व्यापार बनता हुआ देख सभी हैं दंग!

एक बड़ा ख़ास रंग है सियासी रंग। कुर्सी की रस्साकशी का चमकदार रंग, जिसे हर कोई अपने

ऊपर चढ़ाना चाहता है। और सियासत की बिसात बिछा कर अपने स्वार्थ के मोहरे बिठाना चाहता है। इनके चुनावी वादों, इरादों का रंग जीत के साथ ही बड़ी जल्दी, बिना किसी डिटर्जेंट के, धुल जाता है। ये कुर्सी जिसे भी मिली उसी ने दिखाया, समाज को ठेंगा और रच दिए खुदगर्ज़ी और घोटालों के सत्ता के मद का यही रंग, इंसान तो क्या बेजुबान जानवर पर भी कहर ढाता है।

और लगता यही है कि अमीरों के पास हैं सारे रंग और गरीब बस अपनी बेबसी और लाचारी के संग। बड़े-बड़े सफेद पोश दानव, उच्च पदासीन अरबपतियों की निकृष्ट, घृणित,पाशविक मानसिकता, शोषण और अश्लीलता, अपराधों की फाइलें खोलते काले रंग! डिफाल्टर मिलेनियरों का बड़ा क़र्ज़ लेकर देश छोड़ देना और गरीब का दुनिया।

अन्नदाता किसान का सबके लिए अन्न उपजाना और स्वयं भूख और क़र्ज़ के भार से आत्महत्या कर जाना। न्याय और कानून के हाथ भी, गरीबों की ही धर-पकड़ से रंगे हैं। अमीरों की लीलाएं इनकी भी पहुँच से परे हैं। अमीरों के लिए मॉल और उसी के नीचे हमारे भूखे-नंगे नौनिहाल। ट्रैफिक सिग्नल पर भूखे-नंगे बच्चे।

विसंगतियों का भी एक रंग है। बेटियों की पूजा का सच और उन्हें ही निर्भया बना देने के, निरंतर व्याभिचार और दुष्कर्म, शोषण के अक्षम्य रंग, दहेज हत्या, कोख में मार देने के बदसूरत रंग। न्याय में पक्षपात और त्वरित न्याय न मिलने जैसे महिलाओं के सशक्तिकरण के कई रंग और अभी भी पुरुषों की सामंती सोच के दर्शन। अहंकारी पुरुषों का साथ में कार्यरत महिलाकर्मियों को अपनी बपौती समझने,कमतर आंकने और उनसे गाहे-बगाहे बदसलूकी करने के पुरातन अभद्र रंग।

वैश्वीकरण और प्रतिद्वंदिता की होड़, आधुनिक शिक्षा पद्धति, पेरेंट्स और बच्चों के मध्य बढ़ता कम्युनिकेशन गैप, माता-पिता की महत्वाकांक्षाओं और से भारी बस्तों का बोझ ढोता शैशव और उन पर खरे उतरने की कोशिशों में भविष्य के कर्णधार बच्चों के चेहरों के उतरते रंग, असफलता, हताशा, निराशा में बढ़ती आत्महत्याओं और अपराध के दुखद रंग।

सरकारी महकमें, दफ्तरों में सारे , लाल फीताशाही और मक्कारी के रंगे हुए मिलेंगे, कभी पहुंच जाओ लंच टाइम पर, बड़े -बड़े हाल खाली और लाइट्स, कूलर, पंखे चलते हुए। ये हैं 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे।'

नए जमाने के अद्भुत रंग को कैसे भूल सकते हैं। गैजेट से घिरे हुए बच्चे , बूढ़े और जवान सभी नए अवतार में रंग गए हैं। डिजिटलाइजेशन की त्वरित सुविधाओं के लाभ और नकारात्मक आउटकम के रूप में अपराधों के नए रूप, जबरन भेजे जा रहे चित्र, वीडियो, निरर्थक अश्लील रील और नए-नए तकनीकी अपराध, फेक वीडियोज, शोषण, संदेशों से फ़िज़ूल मानसिक, वैचारिक प्रदूषण, हर बंदर के हाथ में उस्तरा देते हुए सुखद गृहस्थी की शांति और सुकून की दीवारों को गिराते, गिरते हुए नैतिक मूल्यों के खतरनाक रंग।

आज के भौतिकवादी, पश्चिम का अंधानुकरण करते हुए समाज में सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रहीं इच्छाएं और महत्वाकांक्षाओं की गुफाएं, उनके विविध रंगी तिलिस्म और उनके साथ मन की भटकन, ईर्ष्या-द्वेष, अवसाद, प्रतिद्वंद्विता, उद्दंडता, मर्यादाहीनता, संवेदनहीनता, अहंकार के रंग। एक रंग है सबसे 'मुकम्मल रंग। वो है 'ख़ुदाई का रंग'। अगर उसका छिड़काव हो जाये तो उतरता नहीं और प्रेम, भाईचारा, सहिष्णुता, सद्भाव, ईमानदारी, परोपकार सिखाना नहीं पड़ता। सभी पर यही रंग चढ़ जाये तो मेरा इस पन्ने पर अपने भावों के रंग उकेरना सार्थक हो जाये और सच हो जाए 'सत्यम, शिवम, सुंदरम' की सुंदर संकल्पना।

पुण्यतिथि पर विशेष लेख

स्वतंत्रता सेनानी सरोजिनी नायडू की प्रेरक जीवन यात्रा

प्रमोद दीक्षित मलय
लेखक शिक्षक एवं शैक्षिक संवाद मंच के संस्थापक हैं।

भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में एक शिक्षित बंगाली परिवार में हुआ था। पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक विज्ञानी और शिक्षाशास्त्री थे जिन्होंने हैदराबाद में निजाम कॉलेज की स्थापना की थी। माता श्रीमती वरद सुंदरी गृहिणी थी और बांग्ला भाषा में कविताएं लिखती थीं। परिवार के शैक्षिक एवं साहित्यिक परिवेश का प्रभाव सरोजिनी के बालमन पर पड़ना ही था। तभी तो सरोजिनी बाल्यकाल से ही प्रकृति के सौन्दर्य को देखतीं और कल्पना-सागर में डूब जातीं। 13 वर्ष की छोटी अवस्था में 'लेडी ऑफ दि लेक' नामक एक लंबी कविता लिखी जिसे पढ़कर निजाम हैदराबाद बहुत प्रभावित हुए और सरोजिनी को उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए इंग्लैंड जाने का परामर्श और छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। लंदन के किंग्स कॉलेज और बाद में कैम्ब्रिज के गिर्टन कालेज में अध्ययन किया। कविता रचने का संस्कार वहां भी बना रहा, फलतः पढ़ाई के साथ-साथ वह न केवल कविताएं रचती रहीं बल्कि अंग्रेजी के बड़े कवियों के संपर्क में भी बनी रहीं। इस काव्य सत्संग का प्रभाव यह पड़ा कि सरोजिनी की कविताओं में अब भारतीय दृष्टिकोण प्रतिबिम्बित होने लगा। वर्ष 1905 में प्रकाशित आपके पहले कविता संग्रह 'गोल्डन फ्रेशहोल्ड' ने कविता प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

भारत भूमि कर्म की पुण्य धरा है। यह साहित्य, शिक्षा, संस्कृति, संगीत, कला, ज्ञान-विज्ञान की जननी है और पोषक भी। यहां जीवन के विविध क्षेत्रों में जहां पुरुषों ने विश्व-गगन में अपनी सामर्थ्य की गौरव पताका फहराई है तो महिलाओं ने भी सफलता के शिखर पर अपने पदचिह्न अंकित किए हैं। सरोजिनी नायडू भारतीय राजनीति और काव्य कानन की एक ऐसी ही महाविभूति हैं जिनके कृतित्व और व्यक्तित्व की सुवास से विश्व महमहा रहा है। जिनकी आभा से जग चमत्कृत है। लोक ने 'दि नाईटिंगेल ऑफ इंडिया' कह उनकी प्रशस्ति की। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष होने का गौरव हासिल किया तो भारत के किसी राज्य की सर्वप्रथम राज्यपाल बनने का कीर्तिमान भी रचा। कविताओं में प्रेम और मृत्यु के गीत गाये तो प्रकृति के कोमल उदात्त मनोहारी चित्रों में लेखनी से इंद्रधनुषी रंग भरे। किसान-कामगारों के श्रम के प्रति निष्ठा व्यक्त की तो देश राग को क्रान्ति स्वर भी दिया। उनका जीवन प्रेरक है और अनुकरणीय भी।

भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 को हैदराबाद में एक शिक्षित बंगाली परिवार में हुआ था। पिता अघोरनाथ चट्टोपाध्याय एक विज्ञानी और शिक्षाशास्त्री थे जिन्होंने हैदराबाद में निजाम कॉलेज की स्थापना की थी। माता श्रीमती वरद सुंदरी गृहिणी थी और बांग्ला भाषा में कविताएं लिखती थीं। परिवार के शैक्षिक एवं साहित्यिक परिवेश का प्रभाव सरोजिनी के बालमन पर पड़ना ही था। तभी तो सरोजिनी बाल्यकाल से ही प्रकृति के सौन्दर्य को देखतीं और कल्पना-सागर में डूब जातीं। 13 वर्ष की छोटी अवस्था में 'लेडी ऑफ दि लेक' नामक एक लंबी कविता लिखी जिसे पढ़कर निजाम हैदराबाद बहुत प्रभावित हुए और सरोजिनी को उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए इंग्लैंड जाने का परामर्श और छात्रवृत्ति के रूप में आर्थिक सहयोग प्रदान किया। लंदन के किंग्स कॉलेज और बाद में कैम्ब्रिज के गिर्टन कालेज में अध्ययन किया। कविता रचने का संस्कार वहां भी बना रहा, फलतः पढ़ाई के साथ-साथ वह न केवल कविताएं रचती रहीं बल्कि अंग्रेजी के बड़े कवियों के संपर्क में भी बनी रहीं। इस काव्य सत्संग का प्रभाव यह पड़ा कि सरोजिनी की कविताओं में अब भारतीय दृष्टिकोण प्रतिबिम्बित होने लगा। वर्ष 1905 में प्रकाशित आपके पहले कविता संग्रह 'गोल्डन फ्रेशहोल्ड' ने कविता प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। 'बर्ड ऑफ टाइम' (1912) और 'ब्रोकन विंग' (1917) कविता संकलनों के प्रकाशन से साहित्य क्षेत्र में सरोजिनी की काव्यात्मक सौन्दर्य, बिम्ब विधान, आलंकारिक शब्द चातुर्य, प्रकृति का सूक्ष्म अवलोकन और राष्ट्रीय चेतना को पुष्टि और स्वीकृति मिली। इसी बीच 1898 में चिकित्सक डॉ. गोविंद राजुल नायडू से अन्तरजातीय विवाह किया। तत्कालीन सामाजिक संदर्भों और रूढ़ियों के बीच सरोजिनी का यह साहसिक कदम एक बड़े बदलाव के रूप में देखा गया।

देश का वह दौर स्वतंत्रता आंदोलन और अंग्रेजों के विरुद्ध सतत संघर्ष का दौर था। और शायद ही कोई युवा रहा हो जो उन परिस्थितियों में देश के लिए कुछ कर गुजरने के भाव से न भरा रहा हो। सरोजिनी का मन भी 1905 के बंग-भंग की घटना से आहत हुआ और हृदय में देश सेवा की उत्कट इच्छा जगी। संयोग से 1914 में इंग्लैंड में महात्मा गांधी जी से भेंट हुई। वह गांधी जी के जीवनादर्शों एवं विचारों से अत्यधिक प्रभावित हुईं और उनके सुझाव पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में काम करना प्रारंभ कर दिया। वह देश की आम जनता से सीधा संवाद करना चाहती थीं ताकि लोगों की कठिनाईयों, पीड़ा और इच्छाओं को समझ सकें, साथ ही स्वाधीनता आंदोलन में शामिल होने हेतु सभी को प्रेरित कर सकें। इस उद्देश्य से उन्होंने 1915 से 1918 तक संपूर्ण देश का भ्रमण किया। इस दौरान किसानों, मजदूरों, महिलाओं और विद्यार्थियों से बात की। वह अंग्रेजी, हिंदी, बांग्ला, उर्दू और तेलुगू भाषा की अच्छी जानकार थीं। देश भ्रमण की अवधि में वह लोगों से बातचीत करने में अपनी इस भाषाई सामर्थ्य का उपयोग करके सहजता से आत्मीय सम्बंध स्थापित कर लेती थीं। उनकी लोकप्रियता न केवल कांग्रेस पार्टी के अन्दर बल्कि पूरे देश में लगातार बढ़ती ही जा रही थी। जनता उनको सुनना-देखना चाहती थी। इसी का परिणाम था कि सरोजिनी नायडू को 1925 में कानपुर में आयोजित कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। कांग्रेस के इतिहास में वह पहली महिला अध्यक्ष थीं। 1932 में वह भारत की प्रतिनिधि के रूप में अफ्रीका गईं और वहां की जनता और सरकार के साथ वार्ता की। 1930 में नमक सत्याग्रह में गांधी जी के साथ रहीं और गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद नमक सत्याग्रह का नेतृत्व करतीं रहीं। 1931 में दूसरे गोलमेज सम्मेलन में उनको भारतीय प्रतिनिधि मंडल में शामिल गया। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय सहभागिता की और गांधी जी के साथ 21 महीने तक कारावास भोगा। संयोग से सरोजिनी की पुत्री पद्मजा नायडू भी उसी समय जेल में बंद थीं जो आजादी के बाद पश्चिमी बंगाल की राज्यपाल बनीं। मार्च 1947 में एशियाई संबंध सम्मेलन के संचालन समिति की अध्यक्षता की। स्वतंत्रता के लिए उनके अदम्य संघर्ष और आमजन के प्रति आत्मीयता भाव से वह आमजन के हृदय में बस गई थीं। सरोजिनी नायडू की प्रशासनिक क्षमता और लोक चेतना के कारण ही आजादी मिलने के बाद उनको उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य का राज्यपाल बनाया गया। वह भारत के किसी प्रदेश की राज्यपाल बनने वाली पहली महिला हैं।

राजनीति की सक्रियता के बीच भी उनका काव्य-उर्वर मन कविताएं रचता रहा। उनके राष्ट्रीय चिंतन, भारत के प्रति अतिशय प्रेम-भाव, महिलाओं को स्वावलम्बी और राजनीतिक रूप से सचेतन बनाने की उत्कट चाह और प्रकृति के प्रति तादात्म्य सम्बंध उनकी कविताओं में मुखर होते देखा जा सकता है। उनकी कविताओं का भारतीय भाषाओं के साथ ही फ्रेंच और जर्मन में भी अनुवाद हुआ है। उनकी महत्वपूर्ण कृतियों में 'दी मैजिक ट्री', 'ए ट्रेजरी आफ पोयम्स', 'द गिफ्ट ऑफ इंडिया' प्रमुख रूप से उल्लिखित की जा सकती हैं। उनकी मृत्यु के बाद उनकी कविताओं का एक संग्रह ''द वेदर ऑफ द डॉन'' 1961 में प्रकाशित किया गया। इंडियन वीवर्स, इंडिया लव सांग्स, इंडियन फॉरेस्ट जैसी काव्य रचनाएं कविता के नवल मानक स्थापित करती हैं। इतना ही नहीं, उनकी कविताओं में देशभक्ति, प्रकृति के विभिन्न मनोहारी रूप, महिला, प्यार और मृत्यु जैसे विषय बार-बार उभर कर आते हैं। वह मानवता का राग गाते हुए वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को बल प्रदान करते हुए कहती हैं -

''लिए बांसुरी हाथों में, हम घूमें गाते-गाते।
मनुष्य सभी हैं बंधु हमारे, सारा जग अपना है।''

तो वहीं अपने लक्ष्यों को प्राप्त किए बिना वह मृत्यु को भी स्वीकार नहीं करेंगी। वह कहती हैं,

''मेरे जीवन की सुधा नहीं मिटेगी जब तक।
मत आना हे मृत्यु कभी तुम मुझ तक।।''

वह देशवासियों से मेहनत करने का आह्वान करती हैं,

''श्रम करते हैं हम
कि हम समुद्र हो तुम्हारी जागृति का क्षण।
हो चुका जागरण,
अब देखो, निकला दिन कितना उज्ज्वल।।

राजनीति एवं काव्य की इस अप्रतिम प्रतिभा ने 2 मार्च, 1949 को नश्वर देह को त्याग अनन्त यात्रा पर प्रस्थान किया। भारत सरकार ने 13 फरवरी, 1964 को उनकी इस स्मृति को नमन करते हुए 15 नए पैसे का एक डाक टिकट जारी किया था। आज सरोजिनी नायडू भले ही हमारे बीच नहीं हैं पर उनके कर्म और विचार देशवासियों को कर्म पथ पर बढ़ने को सदा प्रेरित करते रहेंगे। एक दीप स्तम्भ की भांति अपने आलोक से राष्ट्र-साधकों का मार्गदर्शन करती रहेंगी।

ईरान पर हमला

क्या अमेरिका-इजराइल अपने लक्ष्य में कामयाब होंगे ?

सुधीर सक्सेना
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

विजंग की उलटी गिनती का दौर अंततः खत्म हुआ। शनिवार को तड़के इससे पेश्तर कि ईरान में लोग हम बिरादरों को सुब्ह ब खैर कह पाते, राजधानी तेहरान समेत कई ठिकाने बमों और मिसाइलों से थर्रा उठे। यह इस्राइल और अमेरिका की ओर से ईरान के खिलाफ खुली जंग का ऐलान था। पिछले साल की दस रोजा लड़ाई के बाद बमुश्किल आठ माह भी नहीं बीते हैं कि ट्रंप-नेतन्याहू की जंगखोर-पॉलिसी ने एक बार फिर ईरान-इस्राइल और इर्दगिर्द के इलाके को अपनी चपेट में ले लिया। हमले से साफ है कि डोनाल्ड ट्रंप को जेनेवा में अमेरिका-ईरान वार्ता से कोई वास्ता नहीं है और वह किसी भी कीमत पर ईरान को सबक सिखाने पर आमादा है। वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण ने यह दर्शा दिया था कि निरंकुश और बेढब ट्रंप को विश्व जनमत और राजनयिक मर्यादाओं की राई-रत्ती चिंता नहीं है और वह अपनी स्वेच्छाचारीहनक में कहीं भी कभी भी कुछ भी कर गुजर सकते हैं। बिला शक ईरान के सुप्रीम क़ाइद 86 वर्षीय अयातुल्लाह खामेनेई करो या मरो की विषम लड़ाई में उलझ गये हैं। ईरान में घरेलू अंसतोष के चलते उन्हें दोहरे संकट का सामना करना पड़ेगा। दमन-उत्पीड़न, महंगाई और पाबंदियों के चलते इस्लामी हुकूमत के विरोधियों की कमी नहीं है। गौरतलब है कि इस नाजुक मौके पर निर्वासित युवराज पहलवी ने आज ही ईरानी अवाम से सड़कों पर उतरने की अपील की है। यह भी छिपा नहीं है कि ट्रंप ईरान में कठपुतली सरकार चाहते हैं। अगर्चे वाशिंगटन-तेलअवीव धुरी ईरान में अपनी मुहीम में कामयाब होती है, तो इससे वैश्विक राजनीति में नये युग का सूत्रपात होगा और कोई भी देश आसानी से अमेरिका के समक्ष आँखें तरेरने की हिमाकत नहीं करेगा और अमेरिका के लिए किसी भी मुल्क की मुश्कें कसना कठिन नहीं होगा। इससे भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इस जंग में चीन और रूस की प्रतिष्ठा दाँव पर है और यह दोनों देश तेहरान के पतन को रोकने की अथक चेष्टा करेंगे। इन दोनों महाशक्तियों को नार्थ-कोरिया का भी साथ मिल सकता है। इस्लामी गरूर को नेस्तनाबूद करने और कठपुतली सरकार की स्थापना के अलावा अमेरिका के तीन अन्य लक्ष्य हैं ~ पहला तेल भंडारों और दूसरा यूरेनियम भंडार पर कब्जा तथा तीसरा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर नियंत्रण। यह भी स्वयंसिद्ध है कि इस लड़ाई में आक्रामक धुरी के लिए मानवीय मूल्य या नैतिकता कोई मायने नहीं रखती। वियेतनाम युद्ध और गाजा में जातीय नरसंहार इसकी पुष्टि कर चुके हैं। शनिवार को ही मिनाब में प्राइमरी स्कूल में बमबारी इसका प्रमाण है, जिसमें 40 से अधिक नन्हीं बच्चियों की मौत हुई।

एक बारगी महाबली अमेरिका को छोड़ दें तो इस्राइल और ईरान की सैन्य शक्ति की तुलना से दिलचस्प तथ्य उभरते हैं। ईरान की आबादी जहां आठ करोड़ 84 लाख है, वहीं इस्राइल की जनसंख्या फकत 94 लाख। इस्राइल में जहां 1.70 लाख सक्रिय सैन्य कर्मी है, वहीं ईरान में छह लाख से कुछ ज्यादा। इस्राइल में रिजर्व सैनिकों की तादाद चार लाख 65 हजार है, तो ईरान में करीब साढ़े तीन लाख। ईरान जरूरत पड़ने पर 14 लाख रंगरूटों की सालाना भर्ती कर सकता है, वहीं इस्राइल एक लाख 32 हजार रंगरूट जुटा सकता है। ईरान जीवाश्म ईंधन और कच्चे तेल के मामले में विश्व में क्रमशः दूसरी और तीसरी पायदान पर है, लेकिन अमेरिका के प्रत्यक्ष सहयोग के अलावा इस्राइल की बड़ी ताकत है उसके पास विश्व का सत्रहवां विशालतम विदेशी मुद्रा भंडारा। ईरान के पास 1713 टैंक हैं तो इस्राइल के पास 1300 टैंक। ईरान के पास 66000 बख्तरबंद वाहन हैं, जबकि इस्राइल के पास 35985। मोबाइल राकेट प्रोजेक्टरों के मामले में ईरान (1517) इस्राइल (183) से बहुत आगे है। पारंपरिक तोपखाने में ईरान को इस्राइल पर बढ़त हासिल है किंतु वैज्ञानिकी में इस्राइल भारी है। इस्राइल के पास युद्धक एवं मालवाही विमान ज्यादा हैं और तकनीक भी अत्याधुनिक। इस्राइल के पास 48 तो ईरान के पास 13 हेलीकाप्टर हैं। इस्राइल के पास तेज नौकाएं तो हैं, लेकिन युद्धपोत नहीं। जबकि ईरान के पास 107 पोत हैं और 25 पनडुब्बियां। इस्राइल के पास मात्र पांच पनडुब्बियां हैं। दिलचस्प तौर पर ईरान के 15.45 बिलियन डॉलर के रक्षा बजट के मुकाबले इस्राइल का रक्षा बजट 30.5 बिलियन डॉलर यानि करीब दो गुना है। इस जंग में इस्राइल को सबसे बड़ा सामरिक लाभ अमेरिका के साथ होने से है, क्योंकि ईरान के इर्दगिर्द इस्लामी देशों में अमेरिकी नौसैनिक अड्डों की कतार है और जेराल्ड फोर्ड युद्धपोत की मौजूदगी से उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल है।

होली दहन

अच्छाई की विजय और सामाजिक चेतना का पर्व

जयदेव राठी
लेखक एड्वोकेट हैं।

होली दहन की जड़ें भारतीय पौराणिक चेतना में गहराई तक समाई हुई हैं। यह कथा केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव प्रवृत्तियों और सत्ता के अहंकार का प्रतीकात्मक चित्रण है। अत्याचार और दमन की प्रवृत्ति जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब उसका विनाश निश्चित हो जाता है—यही इस परंपरा का मूल भाव है। भक्त प्रह्लाद और उसकी बुआ होलिका की कथा सत्ता और सत्य के संघर्ष को रेखांकित करती है। यह कथा केवल बीते युग की नहीं है, बल्कि हर उस समय की है जब अहंकार विवेक पर हावी हो जाता है।

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं है, बल्कि वह आत्मचिंतन, सामाजिक चेतना और नैतिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का पर्व भी है। धुलेंडी से एक दिन पूर्व होने वाला होली दहन इसी गहरे सांस्कृतिक और दार्शनिक भाव का प्रतिनिधित्व करता है। यह परंपरा सदियों से समाज को यह याद दिलाती आ रही है कि बुराई चाहे कितनी ही शक्तिशाली क्यों न दिखाई दे, उसका अंत तय है और सत्य अंततः विजयी होता है। आज जब समाज अनेक स्तरों पर असमंजस, तनाव और वैचारिक टकराव से गुजर रहा है, तब होली दहन का संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

होली दहन की जड़ें भारतीय पौराणिक चेतना में गहराई तक समाई हुई हैं। यह कथा केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि मानव प्रवृत्तियों और सत्ता के अहंकार का प्रतीकात्मक चित्रण है। अत्याचार और दमन की प्रवृत्ति जब अपने चरम पर पहुंचती है, तब उसका विनाश निश्चित हो जाता है—यही इस परंपरा का मूल भाव है। भक्त प्रह्लाद और उसकी बुआ होलिका की कथा सत्ता और सत्य के संघर्ष को रेखांकित करती है। यह कथा केवल बीते युग की नहीं है, बल्कि हर उस समय की है जब अहंकार विवेक पर हावी हो जाता है।

होली दहन का एक महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सामूहिकता है। होलिका दहन केवल एक कहानी का नाट्य प्रदर्शन नहीं है। यह पर्व हमारी सामाजिक एकता का भी प्रतीक है। गांवों में होलिका दहन की तैयारी कई दिन पहले से शुरू हो जाती है। लोग मिलकर लकड़ियां एकत्र करते हैं, होलिका की प्रतिमा बनाते हैं और उत्साह के साथ पर्व की प्रतीक्षा करते हैं। पूर्णिमा की रात परिवार के सभी सदस्य एकत्र होकर होलिका की परिक्रमा करते हैं, नई फसल की बालियां अग्नि को अर्पित करते हैं और आने वाले वर्ष की समृद्धि की कामना करते हैं।

होलिका की अग्नि में पुरानी वस्तुएं, नकारात्मक विचार और बुरी आदतें जलाने की परंपरा एक गहरे मनोवैज्ञानिक सत्य पर आधारित है। अग्नि शुद्धिकरण का प्रतीक है। जब हम होलिका दहन के समय उसकी परिक्रमा करते हैं, तो मानसिक रूप से हम अपने भीतर की नकारात्मकता को भस्म करने का संकल्प लेते हैं। यही इस पर्व की वास्तविक आध्यात्मिक शक्ति है जो इसे महज एक उत्सव से ऊपर उठाकर एक जीवन-दर्शन बना देती है। होली दहन अपने आप में सामाजिक एकता का प्रतीक है। जाति, वर्ग, आयु और विचारधाराओं के भेद को कुछ समय के लिए पीछे छोड़कर समाज एक साझा संकल्प के साथ खड़ा होता है। आज जब समाज में विभाजन की रेखाएं गहरी होती जा रही हैं, तब यह सामूहिक अनुभव हमें याद दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक शक्ति एकता में निहित है।

परंपरागत रूप से होली दहन के समय लोग अग्नि में नकारात्मक प्रवृत्तियों का प्रतीकात्मक दहन करते हैं। यह रस्म बाहरी कम और आंतरिक अधिक है। प्रश्न यह नहीं है कि अग्नि में क्या डाला गया, बल्कि यह है कि मन से क्या त्यागा गया। ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार, असहिष्णुता और हिंसा—ये सभी आधुनिक समाज की गंभीर समस्याएं हैं। यदि होली दहन केवल लकड़ियों और प्रतीकों तक सीमित रह जाए और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन न आए, तो यह परंपरा खोखली बनकर रह जाएगी।

आधुनिक समय में होली दहन का सामाजिक संदर्भ और भी व्यापक हो गया है। आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों के पीछे दौड़ते हुए मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतोष से घिरा हुआ है। ऐसे में होली दहन एक अवसर देता है रुकने का, सोचने का और आत्ममंथन करने का। यह हमें याद दिलाता है कि जीवन केवल उपभोग का नाम नहीं, बल्कि संतुलन और संवेदना का भी नाम है। अग्नि का स्वरूप यहां विनाशकारी नहीं, बल्कि शुद्धिकारी है—जो पुरानी, जड़ हो चुकी प्रवृत्तियों को भस्म कर नई ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त करती है।

होली दहन का संदेश केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध सामाजिक कुरीतियों से भी है। दहेज, जातिगत भेदभाव, लैंगिक असमानता, नशाखोरी और हिंसा जैसी समस्याएं आज भी समाज में व्याप्त हैं। यदि होली दहन के अवसर पर समाज इन बुराइयों के विरुद्ध सामूहिक संकल्प ले, तो यह पर्व केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक आंदोलन का रूप ले सकता है। इतिहास गवाह है कि सामाजिक परिवर्तन की शुरुआत अक्सर सांस्कृतिक चेतना से ही होती है।

भारत की लोक परंपराओं में होली दहन का विशेष स्थान है। विभिन्न क्षेत्रों में इससे जुड़े लोकगीत, हास्य-व्यंग्य और सामाजिक टिप्पणियां इसे जीवंत बनाती हैं। इन लोक अभिव्यक्तियों में समाज की पीड़ा, उसकी उम्मीदें और उसकी चेतावनियां छिपी होती हैं। यही कारण है कि होली दहन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संवाद का मंच भी बन जाता है। यह संवाद समाज को आईना दिखाने का काम करता है।

होली दहन का सार बाहरी अग्नि में नहीं, बल्कि आंतरिक प्रकाश में है। यह पर्व हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने भीतर किन बुराइयों को ढो रहे हैं और उन्हें छोड़ने का साहस कब करेंगे। जब अग्नि के चारों ओर परिक्रमा की जाती है, तब वह केवल परंपरा नहीं, बल्कि जीवन की परिक्रमा का प्रतीक बन जाती है—जहां हम अपने अतीत, वर्तमान और भविष्य पर एक साथ विचार करते हैं।

यदि होली दहन हमें अधिक सहिष्णु, अधिक संवेदनशील और अधिक जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देता है, तभी इसका वास्तविक अर्थ सिद्ध होगा। अन्यथा यह भीड़, शोर और औपचारिकता में सिमटकर रह जाएगा। आज आवश्यकता है कि हम इस परंपरा को केवल निभाएं नहीं, बल्कि समझें और जिएं। बुराई के दहन और अच्छाई के संरक्षण का यह पर्व तभी सार्थक होगा, जब उसकी लौ हमारे आचरण में भी जलती रहे। यही होली दहन की सच्ची आत्मा है और यही उसकी सबसे बड़ी सामाजिक उपयोगिता।

बालीपुर धाम में चहुंऔर उत्सवी-उल्लासी और रंग बिरंगी छटा

श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज के जन्मोत्सव पर गुरू दरबार में आज लगेगा भक्तों का सैलाब...

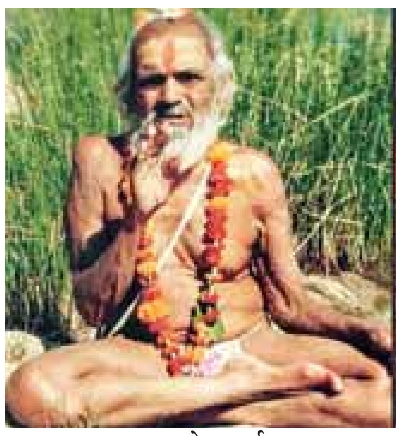

राजेश शर्मा

पावन धाम बालीपुर ही नही अपितु देश - प्रदेश के लाखों - लाख गुरुभक्त अपने गुरूदेव के जन्मोत्सव को भव्य स्वरूप में मनाने के लिए लालायित है। गुरू मिलन की आस लगाए गुरू भक्तों के लिए जन्मोत्सव की पावन बेला किसी त्यौहार से कम नही है। बालीपुर धाम में गुरू भक्तों की आस्था का सैलाब रूपी महाकुंभ जिसने भी देखा है उसके मुख से बरबस यही निकल पडा ÷ अविस्मरणीय - अलौकिक - अप्रतिम ÷। तभी तो इस पावन घड़ी का हर गुरू भक्तों को वर्ष भर इंतजार रहता है। सनातन धर्म और संस्कृति में गुरू का स्थान हमेशा से सर्वोपरि रहा है और प्रसंग गुरूदेव गजानन जी से जुड़ा हो तो हर गुरुभक्त की भावनाएं अपने गुरूदेव के प्रति उमड़ पड़ती है। श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज ने तप और आराधना के बल पर इस धरा को दिव्य और पावन बना दिया सो बालीपुर धाम और बालीपुर सरकार के प्रति आस्था का सैलाब लाखों- लाख भक्तों की उपस्थिति के रूप में उमड़ पड़ता है।

गुरूदेव के जन्मोत्सव के रंग में बालीपुर धाम ही नही अपितु संपूर्ण निमाड़ अंचल में उत्सवी - उल्लासी और रंगबिरंगी छटा है । बालीपुर सरकार श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज के 106 वे जन्मोत्सव की पावन घड़ी 2 मार्च से पहले यज्ञ, अनुष्ठान, विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों से बालीपुर धाम जगमग है। गुरूदेव की तपोभूमि में चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों से यह पावन भूमि आध्यात्मिक अलख जगाते हुए धर्म चेतना और समाज में जनजागृति का संदेश दे रही है।

गुरूदेव के जन्मोत्सव की पावन बेला में स्वर्णिम आभा सा जगमगा रहा है बालीपुर धाम ...- स्वर लहरियों से भक्ति के गुंजायमान स्वर पावन महोत्सव का शंखनाद कर मानों कह रहे है आ गई है शुभ जन्मोत्सव की पावन घड़ी। गुरूदेव के दीवानों के लिए इस दिन का इंतजार वर्ष भर रहता है। जन्मोत्सव के एक दिन पहले आज 1 मार्च को देश - प्रदेश से गुरू भक्तों का बालीपुर धाम आगमन शुरू हो गया है। गुरू के धाम में गुरूभक्त आल्हादित- उत्साहित है।

खास - खास

श्री अंबिका आश्रम बालीपुर धाम में प्रमुख उत्सव संतश्री गजानन जी महाराज का जन्मोत्सव है ।

मातृशक्ति भी उत्साह के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रही है...

बाबाजी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उनके दोनों शिष्य श्री सुधाकर जी महाराज व श्री योगेश जी महाराज सनातन धर्म वैदिक संस्कृति की रक्षा और जन- जन में उसके विस्तार के लिए सतत प्रयासरत है.....

जिला उद्योग एवं व्यापार विभाग ने प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा

बैतूल में बनेगा आधुनिक गुड़ क्लस्टर 30 से 32 करोड़ होंगे खर्च

बैतूल। जिले में गुड़ क्लस्टर बनाने के लिए विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। उड़दन में गुड क्लस्टर बनाने का प्रस्ताव भी शासन को भेजा है, हालांकि हेड ऑफिस में सीएफसी की स्थापना हो रही है, तो गुड क्लस्टर कोसमी औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि गुड़ क्लस्टर के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना की जाएगी। यहां किसान गन्ना लाकर आधुनिक मशीनों से गुड़ बनवा सकेंगे। विगत दिनों एमएसई, सीडीपी के अधिकारियों ने भूमि का निरीक्षण किया है। इस सेंटर के स्थापित होने से छोटे किसानों को कम लागत पर गुड़ बनाने की सुविधा प्राप्त होगी। बता दे कि प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मेडिकल कॉलेज के भूमिपूजन के दौरान वुडन और गुड़ क्लस्टर की सौगात दी थी। इस योजना से जहां किसान लाभान्वित होगा, वहीं दूसरी ओर गुड़ का उपयोग करने वाले को उचित मापदंड पर बना गुड़ प्राप्त होगा। बताया जा रहा है कि यहां कोल्ड स्टोरेज की सुविधा भी रहेगी। जिससे किसान ऑफ-सीजन में भी गुड़ बेच सकेंगे और उन्हें बेहतर कीमत मिलेगी। भविष्य में गुड़ का विदेश व्यापार भी संभव हो सकता है। यह पूरी परियोजना बनने के बाद करीब 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिल सकता है। गुड़ क्लस्टर की सभी प्रक्रियाएं करीब 6 माह में पूरी होने की संभावना जताई जा रही है।

30 से 32 करोड़ रुपए की होगी परियोजना- उद्योग विभाग के अनुसार कामन सर्विस सेंटर की स्थापना और मशीनों सहित पूरी परियोजना की लागत 32 करोड़ 57 लाख 27 हजार होगी। इसमें केंद्र सरकार 21 करोड़, राज्य सरकार 4 करोड़ 50 लाख तथा एसपीवी सदस्यों द्वारा 7 करोड़ का निवेश किया जा सकता है। उड़दन में इसके लिए पांच

हेक्टेयर जमीन चिन्हित की है। हालांकि गुड़ क्लस्टर गठन में समय लगेगा, लेकिन क्लस्टर की स्थापना के बाद किसानों को बेहतर सुविधा मिलेंगी। गुड़ क्लस्टर के जरिए पारंपरिक गुड़ उत्पादन को एक आधुनिक औद्योगिक क्लस्टर में बदला जाएगा। यहां थर्मिक फ्लूइड हीटिंग सिस्टम होगा, जिससे गुड़ पकाने में एक समान आंच मिलती है। जिससे गुणवत्ता बेहतर होती है और ईंधन की बचत होती है। इस क्लस्टर से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों को रोजगार मिलने के दावे किए जा रहे हैं।

24 हजार हेक्टेयर में होता है गन्ना उत्पादन- जिले भर में गन्ना की फसल लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में 24 हजार हेक्टेयर में किसान गन्ने की फसल लगाते हैं। इसमें अधिकांश किसान जिले की शुगर मिल में अपना गन्ना देते हैं, जबकि अन्य किसान खेतों में घाना लगाकर गुड़ बनाते हैं। यूपी और अन्य जगहों से भी लोग आकर किसानों का घाना किराए पर लेते है और गुड़ बनाकर बाहर बेचते हैं। जिससे गन्ना उत्पादक किसानों को फसल के उचित दाम नहीं मिल पाते हैं। लेकिन गुड क्लस्टर बनने से छोटे और मध्यम किसानों को कम लागत पर गुड़ बनाने की सुविधा मिलेगी। गुड़ घाना स्थापित करने के लिए लगने वाली भूमि पर किसान खेती कर सकता है। गुड़ क्लस्टर बनने पर किसानों को घाना के लिए अलग से बिजली कनेक्शन नहीं लेना पड़ेगा। गन्ना कटाई के बाद छह या सात दिन में किसानों का खेत खाली हो जाएगा, इससे समय बचेगा। खेत खाली होने पर किसान उसकी सफाई करा सकेगा। इसके बाद दूसरी फसल लगा सकेगे।

थर्मिक फ्लूइड हीटिंग सिस्टम लगेगा, कोल्ड स्टोरेज की रहेगी सुविधा- गुड क्लस्टर बनने के बाद यहां पर गुड़ पकाने के लिए थर्मिक फ्लूइड हीटिंग सिस्टम लगाया जाएगा। इससे गुड़ पकाने में एक समान आंच मिलेगी। इससे गुणवत्ता बेहतर होगी और ईंधन की भी बचत होगी। वहीं पर्यावरण में प्रदूषण भी नहीं होगा। गुड़ क्लस्टर बनने पर उसमें साल भर गुड़ रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज भी बनाया जाएगा। कोल्ड स्टोरेज में किसान भी गुड़ रखकर ऑफ सीजन में भी बेच सकेंगे। जिससे उन्हें बेहतर कीमतें मिलेंगी, लाभ होगा। यहां पर गन्ना रस निकालने के लिए आधुनिक क्रशिंग प्लांट भी लगाया जाएगा। जिससे गन्ने से रस निकालने की क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि होगी। गन्ने से निकलने वाला वेस्ट भी कम निकलेगा। साथ ही किसानों को समय की भी बचत होगी।

वुडन क्लस्टर के लिए 65 प्लॉट बुक

कढ़ाई में शुरू होने वाले वुडन क्लस्टर के लिए तेजी से काम चल रहा है। यहां सीमांकन के अलावा से आउट देने का काम भी हो चुका है। टंकी का काम भी पूरा होने को है। बिजली के पोल खड़े हो चुके हैं, जिन पर तार खींचना है। कच्ची एप्रोच मिल चुकी है, जिसका डामरीकरण जल्द किया जाएगा। पुलियाएं भी बनाई जा चुकी हैं। यहां 101 प्लॉट हैं जिनमें से 65 बुक हो चुके हैं। संभावना जताई जा रही है कि इसे मई माह तक शुरू कर दिया जाएगा। यहां भी हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेगा। वहीं कोसमी में स्थित औद्योगिक क्षेत्र का दूसरा चरण भी जल्द शुरू किया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्र का दूसरा चरण 8 एकड़ में है। जिसमें 36 से 40 प्लॉट है। इसके विकास के लिए यहां पर सीमांकन और ले आउट हो चुका है। यहां केवल रोड का निर्माण बाकी है। यहां बिजली भी पहुंचाई जा चुकी है। लघु उद्योग निगम द्वारा विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस औद्योगिक क्षेत्र में 36 से 40 उद्योग शुरू हो सकेंगे, जिनसे युवाओं को रोजगार प्राप्त हो सकेगा। गौरतलब है कि पहले चरण का औद्योगिक क्षेत्र 81 हेक्टेयर में है, जिसमें 137 यूनिट संचालित हैं।

इनका कहना है -

उड़दन में जमीन चिन्हित की थी। जहां गुड क्लस्टर बनाने के लिए प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया है। हेड ऑफिस में सीएफसी की स्थापना हो रही है, तो हो सकता है कि कोसमी औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित किया जाये, क्योंकि विकसित क्षेत्र में होना चाहिए।

- धीरज मंडलेकर, जिला उद्योग एवं व्यापार विभाग, बैतूल

चर्चित रहे स्वागत द्वार से पुनः गिरा पत्थर

सोहागपुर। नगर पंचायत परिषद द्वारा चर्चित विश्राम गृह के निकट निर्मित स्वागत द्वार से पुनः पत्थर गिरने के कारण निर्माणकर्ता की घटिया गुणवत्ता सोहागपुर में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में नगर पंचायत परिषद के वरिष्ठ कांग्रेसी पार्षद धर्मदास बैलवशी ने इसके पूर्व भी इस घटिया निर्माण पर आरोप लगाए थे। अब पुनः स्वागत द्वार का पत्थर गिरने पर सोहागपुर के सोशल मीडिया उक्त घटना घटित होने पर नगरपालिका अधिकारी एवं उपमंत्री से निवेदन किया है कि इसका उचित सुधार करवाएं। ताकि किसी राहगीर पर भारी भरकम पत्थर गिरने से कोई अप्रिय घटना घटित न हो। आपने सोशल मीडिया पर लिखा है कि पहली बार स्वागत द्वार का पत्थर गिरने पर हमारे परिषद के एक साथी द्वारा बताया गया था कि तेंदू पत्ता से भरा ट्रक टकरा गया था। इस कारण स्वागत द्वार का पत्थर गिर गया था। मैं उन महोदय जी से पुनऱ्पूछना चाहता हूं कि अब कौनसा वाहन टकरा गया जिसके कारण पत्थर गिर गया है? ।मेरा निजी मानना है कि स्वागत द्वार के नीचे साइड में दोनो ओर सपोर्ट में एंगल लगवाने से पत्थरों को सपोर्ट मिल सकती है। आपने व्यंग करते लिखा है कि ÷नाम तेरा काम मेरा की तर्ज पर हुआ है निर्माण ÷ आपने आरोप लगाया है कि आर के इलेक्ट्रिकल्स वगडोना के नाम से टेंडर जरूर हुआ है।लेकिन ये पत्थरों का घटिया काम एक चहेते महोदय ने किया है। भुगतान आर के .के खाते में हुआ है। और निकलकर नगदी चहेते महोदय को दे दिया है।÷बदनाम आर के इलेक्ट्रिकल्स हो रही है। मलाई चहेते खा गए÷। आपने पुनः व्यंग करते लिखा है कि पत्थर किरने से मरेंगे तो नगर वासी मरेंगे फिर कह देंगे कि स्वागत द्वार से हवाई जहाज टकरा गया था। आपने इस प्रतिनिधि को बताया कि उक्त निमार्ण कार्य किसी के इशारे पर चहेते को दिया गया था। आपने इस स्वागत द्वार पर नीचे से एंगिल लगाने का सुझाव दिया है ताकि नागरिक सुरक्षित रहें।

2 मार्च को होगा होलिका दहन

सोहागपुर। नगर के पंडित कैलाश नारायण परसाई , पंडित अरविंद सहरिया , पंडित नीलेश शर्मा ,एवं नगर के सभी कर्मकांडी ब्राह्मणों ने बताया कि पंचांग के आधार पर नगर के सभी वरिष्ठ ब्राह्मणों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है। कि 2 मार्च दिन सोमवार की रात्रि भद्रा पुच्छकाल 2ऱ00 से 3ऱ00 बजे के मध्य होलीका दहन किया जाएगा । तथा 3 मार्च दिन मंगलवार को चंद्र ग्रहण का सूतक सुबह 6ऱ20 से प्रारंभ होकर शाम को 7ऱ00 बजे ग्रहण का मोक्ष होगा। सूतक और ग्रहण के समय सभी मंदिरों के कपाट बंद रहेंगे। इसलिए ग्रहणकाल में होली उत्सव नहीं मनाया जाएगा। इसके बाद 4 मार्च दिन बुधवार को होली उत्सव मनाया जाएगा।। वहीं नगर एवं सामाजिक स्तर के सभी शोकाकुल परिवारों में रंग गुलाल लगाने (होली मिलन) का कार्य किया जाएगा। नगर वासियों को होली उत्सव की अनंत कोटि शुभकामनाएं। इधर मध्यप्रदेश शासन ने प्रदेशवासियों को बड़ी खुशखबरी है। होली पर्व को लेकर राज्य सरकार ने दो दिन की सार्वजनिक छुट्टी घोषित कर दी है। यह फैसला त्योहार को शांति और उत्साह के साथ मनाने के उद्देश्य से लिया गया है।मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने होली पर्व को लेकर संशोधित अधिसूचना जारी की है। जारी आदेश के अनुसार 03 मार्च 2026 (मंगलवार) को होली के पावन अवसर पर सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। इसके साथ ही राज्य शासन ने 04 मार्च 2026 (बुधवार) को भी नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है।

नगर पालिका की आपात बैठक में कई बड़े निर्णय

15 नलकूप, एक कुआं और चिकनानाला के विस्तार पर बनी बात

15 मार्च से दो दिन के अंतराल से चलेगी पेयजल व्यवस्था

आमला। गर्मियों के मौसम में हर साल बिगड़ने वाली शहर की पेयजल व्यवस्था को लेकर नपा आमला इस बार बेहद गंभीर नजर आ रही है। गत शुक्रवार को नपा आमला के सभागार में हुई आपात बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णयों पर अंततऱ मुहर लग गई। वर्तमान परिषद के कार्यकाल में पहली बार ऐसा हुआ है कि परिषद की कोई बैठक तीन घंटे से ज्यादा समय तक लगातार चलती रही। बैठक में वार्ड क्र. 5 के पार्षद राकेश शर्मा की मांग पर 15 नलकूप सहित चिकना नाला कुंए के विस्तार और एक अतिरिक्त कुएं के निर्माण की मांग को नपाध्यक्ष नितिन गाडरे ने सर्वसम्मति से पास कर दिया है। बैठक में नपाध्यक्ष ने शहर में पेयजल व्यवस्था को लेकर मोटर, पाइप एवं अन्य उपकरण खरीदी के प्रस्ताव को भी शीघ्र मंजूरी देने का आश्वासन दिया। वार्ड वासियों का कहना है कि परिषद में हुए इस निर्णय से आने वाले दिनों में शहर की पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

15 मार्च से दो दिन के अंतराल से चलेगी शहर की पेयजल व्यवस्था

नपा परिषद आमला की आपात बैठक में आगामी जल संकट को देखते हुए पूरे शहर में पेयजल व्यवस्था दो दिन के अंतराल से चलाने का निर्णय लिया गया है, इसके अलावा शहर के कुल 6600 नल कनेक्शन उपभोक्ताओं में से 646 उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटने का निर्णय लिया है। शहर में पेयजल व्यवस्था संभालने वाली जलावर्धन कंपनी ने कई कारणों के चलते ऐसे कनेक्शन काटने का निर्णय लिया है।

एक अतिरिक्त जलाशय बनाने एवं वर्तमान जलाशय की गहराई बढ़ाने का निर्णय

नपा आमला की इस आपात बैठक में लालावाड़ी स्थित जलावर्धन कंपनी के जलाशय की गहराई शीघ्र ही बढ़ाने का भी निर्णय लिया गया है, साथ ही शहर में बढ़ती पेयजल की मांग पर अतिरिक्त जलाशय बनाने का प्रस्ताव भी परिषद द्वारा पास किया गया, इसके साथ ही यहां किसानों द्वारा अनाधिकृत ढंग से जलाशय का पानी लिए जाने पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बैठक में पार्षद रोहित हारोडे ने शहर में नगर पालिका के सभी सार्वजनिक जल स्त्रोतों पर सोलर सिस्टम लगाने की मांग की थी, जिसे परिषद ने सर्वसम्मति से पास कर दिया। बैठक में पार्षदगण अलका मानकर, ममता धामोडे, पद्मिनी भूमरकर, शोभा देशमुख, नीलम साहू, सुधा नारे, ओमवती विश्वकर्मा, संजय राठौड़, सुधीर अंबाडकर, रोहित हारोडे,संजय और राकेश शर्मा उपस्थित थे।

यूजीसी के काला कानून के विरोध में सवर्ण समाज संगठन की बैठक आयोजित

विभिन्न समाजों के लोगों ने बडी संख्या में उपस्थित होकर किया काले कानून का विरोध

बैतूल। यूजीसी के काला कानून के विरोध में पूरे देश में विरोध की ज्वाला निरंतर बढते ही जा रही है। बैतूल में भी शहर के गुरुद्वारा रोड स्थित योग सेंटर पर रविवार दोपहर विभिन्न समाजों के स्वर्ण लोगों की बैठक आयोजित कर आगामी रूपरेखा और धरना प्रदर्शन करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में देश में सामाजिक भावनाओ को बिगाडने़ वाले यूजीसी कानून के लिए अपने-अपने मत सभी समाज के लोगों ने खुल कर रखे। बैठक में यह बात सामने आई कि केवल सवर्ण समाज ही शोषक है। भविष्य में इस कानून के क्या-क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं, इस विषय पर भी विस्तार से चर्चा की गई। यह निर्णय भी लिया गया कि आगामी 7 मार्च को दत्त मंदिर कॉलेज रोड में पुनऱ बैठक का आयोजन किया जायेगा। जिसके पश्चात 9 मार्च को विभिन्न समाजों के द्वारा कलेक्ट्रेट के सामने धरना एवं रैली प्रदर्शन करने के लिए रूपरेखा तैयार की गई। यह संदेश दिया गया कि देश की एकता और अखंडता के लिए यह काला कानून तुरंत निष्प्रभावी किया जाना चाहिए, अन्यथा इसका आगामी परिणाम बहुत भयावह होगा। विभिन्न समाजों के अध्यक्षों एवं प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तियों द्वारा अपने-अपने विचार व्यक्त किए गए। बैठक में सवण समाज संगठन के अध्यक्ष सौरभ सिंह ठाकुर, संयोजक राकेश त्रिवेदी एवं जगदीश सिंह राघव, राजा ठाकुर, प्रवक्ता विकास गोल्डी मिश्रा, बंटी मोटवानी, बबलू खुराना, नागौराव जगताप, प्रेरणा शर्मा, साक्षी शर्मा, हेमा सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

होली सिर्फ मस्ती नहीं, बल्कि आस्था और विश्वास का भी पर्व है, संस्कारों के साथ मनाए : पंडित शर्मा

चंद्रग्रहण के सूतक काल में रंग खेलने में कोई हर्ज नहीं

आमला। इस बार होली पर्व पर बन रहे कुछ अद्भुत संयोगों के चलते लोगों में भ्रम की स्थिति बन रही है। होलिका का दहन कब और कितने बजे करें पूर्णिमा पर भद्रा और चंद्रग्रहण भी है। ऐसे में कई तरह की चर्चाएं और अधूरी जानकारी मिलने से लोग भ्रमित हो रहे हैं, किंतु ऐसे हालातों में कुछ विद्वानों ने बताया है कि समाज में होली पर्व को लेकर किसी को भी भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जैसे होली का पर्व मनाया जाता है वैसा ही मनाया जाएगा किंतु खग्रास चंद्रग्रहण और भद्रा को लेकर कुछ सावधानियां और समय का बंधन जरूर रहेगा। इस बारे में शहर के पंडित राकेश शर्मा ने बताया है कि इस बार सबसे पहले 2 मार्च सोमवार को दोपहर से पूर्व ही होली रखना है, क्योंकि 2 मार्च की शाम 5 बजकर 45 मिनट से 3 मार्च की सुबह 5 बजे तक भद्रा का साया रहेगा। किंतु भद्रा के पूंछ काल यानी निकलती हुई भद्रा में कोई भी शुभ कार्य करने से शुभकर्म की शुभता ही मिलती हैं। ऐसे में 2 मार्च की मध्य रात्रि में होलिका दहन करना ज्यादा श्रेयस्कर रहेगा।इसके अलावा 3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण का भी योग बन रहा है, जिसका ग्रहण काल दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से शुरू होगा, ग्रहण का मध्यान्ह काल लगभग 5 बजे और ग्रहण का मोक्ष शाम 6 बजकर 45 मिनट पर हो जाएगा। शास्त्र अनुसार चंद्रग्रहण का सूतक 9 घंटे पूर्व ही शुरू हो जाता है, यानी चंद्रग्रहण का सूतक मंगलवार सुबह से रहेगा यहां सबसे ज्यादा भ्रम की स्थिति इसी कारण से बनी हुई है कि आखिर ग्रहण के सूतक काल में धुलंडी का पर्व कैसे मनाएंगे, किंतु सूतक काल में रंग खेलने से कोई हर्ज नहीं है। पंडित शर्मा के अनुसार मंगलवार को ग्रहण के सूतक काल में भी दोपहर 2 बजे तक का रंग खेल सकते हैं। किंतु जिन इलाकों में 3 मार्च की सुबह होलिका दहन होगा वहां पर 4 मार्च बुधवार को ही रंग खेलना ज्यादा श्रेयस्कर रहेगा।

भ्रम नहीं जानकारी रखिए पंडित त्रिवेदी

इस मौके पर धनश्री ज्योतिष संस्थान उत्तर प्रदेश के ज्योतिषाचार्य पंडित चिराग त्रिवेदी ने इस मौके पर चर्चा में बेहद स्पष्ट लहजे में हमें बताया है कि, इस बार होली का पर्व कुछ खास योग और खग्रास चंद्रग्रहण के कारण आम जनमानस में भ्रम की स्थिति जरूर बना रहा है। किंतु पंडित त्रिवेदी ने बताया है कि भ्रम के बजाय जानकारी रखिए। मंगलवार को पूर्णिमा के मौके पर लगने वाले चंद्र ग्रहण का प्रारंभ दोपहर 3 बजे से शुरू होगा लगभग 4 घंटे की अल्प अवधि वाले ग्रहण में सूतक काल में मंगलवार को दोपहर 3 बजे तक रंगों का पर्व मनाया जा सकता है, इसमें कोई दोष नहीं है। पंडित त्रिवेदी के मुताबिक यहां किसी भी तरह का कोई भ्रम पालने की आवश्यकता भी नहीं है।किंतु समय सादगी और परंपरा का बंधन जरूर होना चाहिए।

किस राशि पर कैसा प्रभाव डालेगा चंद्रग्रहण

ज्योतिषाचार्य के अनुसार मंगलवार को पड़ने वाले खग्रास चंद्र ग्रहण का सभी 12 राशियों पर अलग-अलग ढंग से प्रभाव पड़ेगा, इसमें मिथुन,तुला, वृश्चिक और मीन राशि वाले जातकों को यह ग्रहण विशेष लाभकारी सिद्ध होगा, तो वही मेष, वृष,कर्क सिंह कन्या के लिए ग्रहण कष्टकारी तथा धनु और कुंभ के लिए इस बार चंद्रग्रहण सामान्य प्रभाव डाल सकता है, इस दौरान ज्योतिषाचार्य ने ग्रहण के दुष्प्रभाव से बचने के लिए होली का दहन के दौरान होली में नारियल, लौंग,काले तिल,कपूर आदि को बड़े ही श्रद्धा भाव के साथ जलाने की सलाह दी है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, कार्यशाला एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी संपन्न

बैतूल। विज्ञान केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रयोग और व्यवहारिक समझ से ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर साइंस मॉडलों की क्रियाविधि विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला एवं विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय, चिचोली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सागर ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति बैतूल द्वारा किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था की अध्यक्ष प्रिया सिकदार ने की। उन्होने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने एवं नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया। विषय विशेषज्ञ मनोज धोटे, रवि मंडवे, ओमप्रकाश तथा शैलेन्द्र मालवीय ने ज्वालामुखी मॉडल, जल शुद्धिकरण, सौर ऊर्जा एवं पवन चक्की जैसे मॉडलों की कार्यप्रणाली को सरल एवं प्रयोगात्मक तरीके से समझाया। विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं अनुसंधान की भावना को बढ़ावा देती हैं। शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मॉडल प्रस्तुति दी तथा विज्ञान संबंधी प्रश्नोत्तरी में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य डॉ.सीवी रमन की वैज्ञानिक खोज रमन प्रभाव के महत्व को समझाना एवं युवाओं में वैज्ञानिक चेतना का विकास करना था।

नर्मदापुरम में किसानों का बड़ा प्रदर्शन, 14 सूत्रीय मांगों को लेकर पीपल चौक पर बैठे

कमिश्नर को देंगे ज्ञापन, उग्र आंदोलन की चेतावनी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिला मुख्यालय पर भारतीय किसान संघ अपनी 14 सूत्रीय मांगों को लेकर बड़ा प्रदर्शन कर रहा है। जिले भर के किसान पीपल चौक पर एकत्रित होकर धरना दे रहे हैं, जिसके बाद वे संभागीय कमिश्नर को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होने और प्रशासन की सुस्ती के कारण किसानों में भारी रोष है और आज के इस धरने के जरिए वे अपनी आवाज प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं। किसान संघ के इस धरने में बड़ी संख्या में किसानों के जुटने की संभावना है। किसान संघ के अध्यक्ष ओमकार सिंह ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है, 'समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा।' किसानों का कहना है कि समर्थन मूल्य पंजीयन, बिजली आपूर्ति, सड़क निर्माण, अतिक्रमण, नहरों की सफाई और पराली प्रबंधन जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे लंबे समय से लंबित पड़े हैं।

समर्थन मूल्य पंजीयन को सरल बनाने पर जोर : धरने के बाद संभागीय कमिश्नर को जो 14 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा जाएगा, उसमें समर्थन मूल्य पर फसल खरीदी के लिए पंजीयन प्रक्रिया को सरल करने की मांग प्रमुखता से रखी गई है। किसानों का मानना है कि वर्तमान प्रक्रिया के कारण उन्हें अपनी उपज बेचने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

नहरों से अतिक्रमण हटाने और सड़क निर्माण की मांग : इन प्रमुख मुद्दों के अलावा, किसान संघ ने नर्मदापुरम नगर सहित जिले की सभी नहरों से अतिक्रमण तत्काल हटाने की मांग की है। साथ ही, नर्मदापुरम-रायपुर मार्ग का निर्माण कार्य बिना देरी के शुरू करने और तिवारी कॉलोनी में कच्चे मार्ग के निर्माण की मांग भी ज्ञापन में शामिल की गई है।

34 किसानों की जमीन और कृषि के लिए बिजली का मुद्दा : किसानों के इस प्रदर्शन में स्थानीय स्तर की समस्याएं भी प्रमुखता से उठाई गई हैं। संघ ने बनखेड़ी और पिपरिया क्षेत्र में कृषि कार्यों के लिए नियमित और सुचारू बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग रखी है। इसके अलावा, डोलरिया तहसील में 34 कृषकों की निजी भूमि को प्रशासन द्वारा शासकीय (सरकारी) घोषित किए जाने के मामले का भी तत्काल निराकरण करने की मांग की गई है।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का किया निरीक्षण

रायसेन (निप्र)। वर्तमान में माध्यमिक शिक्षा मण्डल की बोर्ड परीक्षाएं संचालित हैं। जिले में बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू और निर्विघ्न संचालन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा परीक्षा केन्द्रों का सतत् भ्रमण किया जा रहा है। इसी क्रम में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को परीक्षा केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देहगांव, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ी तथा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय गैरतगंज पहुंचकर निरीक्षण किया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्र प्रभारी तथा शिक्षाओं से जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि परीक्षा निर्विघ्न और सुचारू रूप से सम्पन्न कराई जाए।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस पर शिविर लगाकर किया गया 502 बच्चों का टीकाकरण

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं एवं अनेक स्थानों पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है।स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। इसी क्रम में ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस के तहत जिले में 27 फरवरी को आयोजित शिविरों में शून्य से एक वर्ष की आयु के 347 बच्चों तथा एक वर्ष से अधिक आयु के 155 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके साथ ही 155 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए रेहटी में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

जिले में दिनांकवार शिविर लगाकर चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों के बनाए जा रहे दिव्यांगता प्रमाण पत्र

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले के शून्य से 18 वर्ष की आयु वाले सभी बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए सभी जनपदों एवं नगरीय निकायों में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा। इन शिविरों में जिला मेडिकल बोर्ड एवं जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की पहचान, स्क्रीनिंग एवं प्रमाणन सुनिश्चित किया जा रहा है और चिन्हांकित दिव्यांग बच्चों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में रेहटी नगर परिषद कार्यालय में स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड और जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग की गई और चिन्हांकन किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जारी निर्देशानुसार 27 फरवरी को रेहटी नगर परिषद के बाद अब 10 मार्च को बुधनी जनपद पंचायत सभाकक्ष में और 12 फरवरी को शाहगंज के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रातः 10 बजे से शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों के लिए संबंधित नगर पालिका सीएमओ और जनपद सीईओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

अमानक बीज विक्रय पर कार्रवाई, जिले के 04 बीज विक्रय केंद्रों के लाइसेंस निलंबित

सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग के उप संचालक एवं पदेन अनुज्ञापन प्राधिकारी श्री अशोक कुमार उपाध्याय द्वारा अमानक बीज विक्रय करने पर सीहोर जिले के 04 बीज विक्रय केंद्रों के बीज लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं। इनमें सीहोर के गल्ला मंडी स्थित मेवाड़ा कृषि सेवा केन्द्र, जमोनिया रोड़ सीहोर स्थित हरिओम ट्रेडर्स, भैरूंदा विकासखंड स्थित मेसर्स स्वाति ट्रेडर्स और भैरूंदा के इंदौर भोपाल रोड़ स्थित मेसर्स रिजनेबल एग्रो एजेंसी शामिल है। कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने बताया कि इन बीज विक्रेताओं के यहाँ से गेहूँ बीज के नमूने लेकर राज्य बीज परीक्षण प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजे गए थे। परीक्षण के बाद बीजों की अंकुरण क्षमता निर्धारित मानक से कम पाई गई। इसके साथ ही इन अमानक बीजों को बनाने वाली कंपनियों पर भी कार्रवाई की गई है, इन कंपनियों के उत्पादों को जिले में प्रतिबंधित कर दिया गया है। इनमें मेसर्स कुबेर सीड्स एंड बायोटेक नेमी वेयरहाउस अम्बोदिया रोड नाईखेडी उज्जैन, मेसर्स हरियाली एग्रो सीड्स एंड फर्टिलाइजर्स प्रा. लि. इमली बाजार खातेगांव देवास और मेसर्स महिको प्राइवेट लिमिटेड मुंबई (महाराष्ट्र) शामिल है। उन्होंने बताया कि संबंधित विक्रय स्थलों के निरीक्षण कर शेष स्टॉक की जानकारी प्राप्त करने एवं आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग द्वारा किसानों से अपील की गई है कि बीज खरीदते समय प्रमाणित एवं मानक बीज ही अधिकृत विक्रेताओं से खरीदें तथा किसी भी प्रकार की शिकायत होने पर अपने विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी या कृषि कार्यालय में संपर्क करें।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जनसमस्याओं और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से जिले में 'संकल्प से समाधान' अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिले में क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित कर नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में अभियान के तहत रेहटी नगर परिषद कार्यालय और ग्राम धनखेड़ी में में क्लस्टर स्तरीय शिविर आयोजित किया गया। शिविरों में अनेक विभागों द्वारा नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और ग्रामवासियों से आवेदन प्राप्त कर निराकरण की प्रक्रिया शुरू की गई। उल्लेखनीय है कि यह अभियान सुशासन, पारदर्शिता और जनहित में त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक समयबद्ध रूप से पहुंचाना है। यह 'संकल्प से समाधान' अभियान 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक चार चरणों में संचालित किया जा रहा है।

शमशाबाद में अशासकीय स्कूल संचालकों की बैठक

फीस, पाठ्यक्रम व छात्र सुरक्षा पर सख्त निर्देश

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में आज शमशाबाद के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) श्री अजय प्रताप सिंह पटेल की अध्यक्षता में अशासकीय विद्यालय संचालकों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा व्यवस्था , फीस निर्धारण, पाठ्यक्रम, आरटीई प्रवेश तथा छात्र सुरक्षा जैसे विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के दौरान एसडीएम ने स्कूलों में लागू पाठ्यक्रम की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि केवल शासन द्वारा निर्धारित आवश्यक पाठ्यक्रम ही संचालित किया जाए।

किसी भी विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकें या गणवेश किसी एक विशेष दुकान से क्रय करने के लिए बाध्य न किया जाए। फीस विनियमन अधिनियम 2017 एवं उसके संशोधन वर्ष 2020 व 2025 के प्रावधानों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि पालकों से नियमानुसार ही शुल्क लिया जाए।

किसी भी प्रकार की अतिरिक्त या अवैध वसूली न की जाए। साथ ही कहा गया कि आरटीई अंतर्गत स्वीकृत सीटों पर शत-प्रतिशत प्रवेश सुनिश्चित किया जाए। आरटीई विद्यार्थियों की फीस का भुगतान शासन स्तर से किया जाता है, अतः उनके सभी आवश्यक दस्तावेज व्यवस्थित रूप से संधारित किए जाएं। एसडीएम श्री पटेल ने स्पष्ट किया कि किसी भी विद्यार्थी का अध्ययन कार्य फीस के अभाव में बाधित नहीं होना चाहिए। फीस के कारण किसी भी छात्र की टीसी (ट्रांसफर सर्टिफिकेट) या मार्कशीट रोके जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। छात्रों के परिवहन को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए। विद्यालयों में केवल शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप सुरक्षित वाहनों का ही उपयोग किया जाए। वाहनों में निर्धारित संख्या से अधिक विद्यार्थियों को न बैठाया जाए तथा सभी वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन अनिवार्य रूप से कराया जाए।

बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त यू-डाइस, छात्र प्रोफाइल, अपार आईडी, इको क्लब सहित अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सभी अशासकीय विद्यालय संचालक उपस्थित रहे। शिक्षा विभाग की ओर से बीईओ, बीआरसी एवं जनशिक्षक भी बैठक में शामिल हुए। अधिकारियों ने शासन के नियमों का पालन सुनिश्चित करने एवं गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान करने पर बल दिया गया है।

पिपरिया स्टेशन के टिकट काउंटर पर यात्री का छूटा पर्स

रेलवे स्टाफ ने ईमानदारी दिखाकर रकम सहित लौटाया, यात्री ने की सराहना

पिपरिया (निप्र)। पिपरिया रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर एक यात्री अपना पर्स भूल गया। रेलवे स्टाफ ने ईमानदारी का परिचय देते हुए पर्स को सुरक्षित रखा और बाद में यात्री को लौटा दिया। इस घटना से रेलवे की सकारात्मक छवि मजबूत हुई है। पश्चिम मध्य रेल जबलपुर के जनसंपर्क विभाग के अनुसार, यह घटना शुक्रवार को हुई। पिपरिया निवासी हरीश कुमार पटेल पिपरिया से जबलपुर का टिकट लेने सिटी साइड स्थित रेलवे टिकट काउंटर पर आए थे। टिकट लेने के बाद उनका पर्स काउंटर के बाहर छूट गया। पर्स में 10,360 रुपए था।

रेलवे कर्मियों की ईमानदारी से यात्री का पर्स लौटा

रेलवे स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए पर्स को सुरक्षित रख लिया। ए.टी.व्ही.एम. फैसिलिटेटर राजकुमार खरे ने इसमें सहयोग किया। बाद में पर्स पूरी राशि के साथ यात्री को सम्मानपूर्वक वापस सौंप दिया गया। इस सराहनीय कार्य में पिपरिया के मुख्य बुकिंग पर्यवेक्षक पंकज कुमार अकेला (सी.वी.एस.) और स्टेशन के अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। यात्री हरीश कुमार पटेल ने रेलवे स्टाफ के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का यह व्यवहार प्रशंसनीय है और इससे आम जनता का रेलवे पर विश्वास और मजबूत होता है। उन्होंने रेलवे प्रशासन की सेवा भावना की सराहना की।

नर्मदापुरम में 20 हजार पौधे उखाड़ फॉरेस्ट जमीन पर कब्जा

विभाग ने हटाया, देखरेख में लापरवाही बरतने वाले वनकर्मियों पर कार्रवाई की तैयारी

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के बानापुरा रेंज की झाड़बीड़ा बीट में प्लांटेशन की जमीन पर लगे करीब 20 हजार पौधों को उखाड़कर नष्ट कर दिया गया। आरोप है कि राजलढ़ाना गांव के करीब 100 ग्रामीणों ने खेती करने के उद्देश्य से लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि पर कब्जा करने की कोशिश की। वन विभाग को जब इसकी जानकारी मिली तो राजस्व और पुलिस विभाग की मदद से संयुक्त कार्रवाई की गई। करीब 230 वनकर्मी, पुलिस और राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे और कब्जा हटाया गया। कार्रवाई के दौरान वहां बनाई गई अस्थायी टपरियां हटाई गईं और बड़े गड्ढे खोदे गए, ताकि दोबारा खेती नहीं की जा सके।

2019 में हुआ था प्लांटेशन

डीएफओ गौरव शर्मा ने बताया कि इस क्षेत्र में वर्ष 2019 में पौधारोपण किया गया था। अतिक्रमणकारियों ने करीब 20 हजार पौधों को नुकसान पहुंचाया है, जिससे विभाग को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है। अब वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पौधों पर हुए खर्च की वसूली की जाएगी।

जिम्मेदार स्टाफ पर भी होगी कार्रवाई

डीएफओ ने यह भी कहा कि इस मामले में वन विभाग के जिन कर्मचारियों की लापरवाही सामने आएगी, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। सुरक्षा व्यवस्था ठीक से क्यों नहीं की गई, इस संबंध में रेंजर को जांच के निर्देश दिए गए हैं।

संयुक्त टीम ने हटाया अवैध कब्जा

झाड़बीड़ा बीट के कंपार्टमेंट नंबर 159 में राजलढ़ाना और पतलई गांव के कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया था। इसे हटाने के लिए वन विभाग को पुलिस और राजस्व विभाग की सहायता लेनी पड़ी। अभियान के दौरान एसडीओ अनिल विश्वकर्मा, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान, एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान और थाना प्रभारी सुधाकर बरसकर सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। फिलहाल वन विभाग ने साफ कर दिया है कि वन भूमि पर किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'क्षीर धारा ग्राम' योजना के तहत जिले के 37 ग्राम दुग्ध उत्पादन व पशुपालन में बनेंगे आदर्श

बैतूल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को दोगुना करने के लक्ष्य के मद्देनजर पशुपालन विभाग द्वारा संचालित 'क्षीर धारा ग्राम 'योजना का बैतूल जिले के 37 ग्रामों में प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना का उद्देश्य उन्नत पशुपालन को बढ़ावा देकर चयनित ग्रामों को आदर्श दुग्ध उत्पादन ग्राम के रूप में विकसित करना है। योजना के अंतर्गत नस्ल सुधार, पशु स्वास्थ्य एवं संतुलित पोषण पर विशेष ध्यान देते हुए दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के साथ उन्नत पशुपालन पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। ग्रामों में शत-प्रतिशत पशुओं की टैगिंग कर उनकी पहचान, स्वास्थ्य स्थिति, प्रजनन, टीकाकरण एवं पशु बीमा से संबंधित जानकारी का व्यवस्थित अभिलेखीकरण किया जा रहा है। ग्रामों में अवर्णित नस्ल के सांडों का समयबद्ध बधियाकरण किया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाले सांडों के वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्ल सुधार एवं नस्ल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। विभागीय योजनाओं के तहत पात्र पशुपालकों को उन्नत नस्ल के पशु भी उपलब्ध कराए जाएंगे। पशुपालकों को रबी, खरीफ एवं ग्रीष्म ऋतु के अनुरूप चारा फसलों की जानकारी देकर हरा चारा उत्पादन को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही संतुलित पशु आहार, हे/साइलेज निर्माण, मिनरल मिक्सचर एवं विटामिन के संतुलित उपयोग संबंधी प्रशिक्षण व मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है। उप संचालक पशुपालन डॉ. सुरजीत सिंह ने बताया कि पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के तहत चयनित ग्रामों में शत-प्रतिशत पशुओं का रोग निवारक टीकाकरण किया जाएगा। समयबद्ध कृमिनाशक दवाओं का उपयोग तथा रोगग्रस्त पशुओं के उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।इसके अतिरिक्त गोबर एवं गोमूत्र के समुचित उपयोग एवं मूल्य संवर्धन के लिए जागरूकता शिविर, संगोष्ठियां तथा बांझपन निवारण शिविर आयोजित किए जाएंगे। निराश्रित पशुओं को गौशालाओं में स्थानांतरित करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड एवं निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न

बैतूल (निप्र)। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड एवं जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में उद्योग स्थापना एवं संचालन के दौरान आने वाली कठिनाइयों पर विस्तार से चर्चा की गई तथा औद्योगिक इकाइयों के संधारण शुल्क संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन हेतु जिले में उपलब्ध लैंड बैंक तथा उसके विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने जिले में इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव आयोजित करने का सुझाव भी प्रस्तुत किया। बैठक में डिस्ट्रिक्ट बिजनेस रिफॉर्म प्लान की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, विकसित भारत योजना तथा नेशनल अप्रेंटिसशिप स्कीम के औद्योगिक इकाइयों के सहयोग से प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए गए। जिले में निर्यात गतिविधियों से संबंधित समस्याओं पर भी चर्चा की गई। कलेक्टर ने कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग को औद्योगिक क्षेत्र कोसमी के लिए एप्रोच रोड निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र श्रीमती तृप्ति पाटिल, अध्यक्ष जिला औद्योगिक संघ, अध्यक्ष लघु उद्योग भारती तथा विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आईटीआई गंजबासौदा में 'नव्या प्रोजेक्ट' के तहत बालिकाओं का पंजीयन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय पहल

विदिशा (निप्र)। शासकीय आईटीआई गंजबासौदा में संचालित 'नव्या प्रोजेक्ट' के अंतर्गत बालिकाओं के पंजीयन को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका सामने आई है, जो गांव-गांव जाकर किशोरी एवं युवा बालिकाओं को प्रेरित कर आईटीआई तक ला रही हैं, ताकि वे तकनीकी शिक्षा से जुड़ सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा कौशल विकास से जुड़ी संस्थाओं के समन्वय से संचालित इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य

बालिकाओं को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावसायिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण से जोड़ना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर अभिभावकों को समझा रही हैं कि आईटीआई के माध्यम से बेटियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्राप्त होगा, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार या रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकेंगी।

आईटीआई प्रबंधन द्वारा भी पंजीयन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया गया है। बालिकाओं को विभिन्न ट्रेड्स की जानकारी दी जा रही है तथा उन्हें उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार प्रशिक्षण चुनने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि 'नव्या प्रोजेक्ट' का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बालिकाओं को तकनीकी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता से अब तक कई बालिकाओं का पंजीयन किया जा चुका है और यह अभियान निरंतर जारी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से क्षेत्र की बेटियों को नई दिशा मिलेगी और वे आत्मनिर्भर बनकर परिवार एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकेंगी।

प्रदेश के वन राज्य ही नहीं राष्ट्र की भी हैं बड़ी धरोहर : मुख्यमंत्री

वन विभाग का 'विजन@2047 री-इमेजिनिग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर' महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत@2047 के लक्ष्य की पूर्ति में प्रदेश की ओर से हर संभव योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके परिणामस्वरुप ही समृद्ध मध्यप्रदेश@2047 के लिए प्रदेश में सभी क्षेत्रों में समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुए कार्य किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के वन केवल राज्य ही नहीं अपितु राष्ट्र की अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर हैं। वर्ष 2047 में देश की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के दृष्टिगत प्रदेश के वन संसाधनों के संरक्षण, उनके समुदाय आधारित प्रबंधन और 21वीं सदी में भारत के पर्यावरणीय तथा विकास लक्ष्यों में वनों के योगदान संबंधी दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य योजना बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जैव विविधता, समृद्ध सामुदायिक सहभागिता आधारित वन प्रबंधन की दीर्घकालिक रूपरेखा विजन ञ्च2047 री-इमैजिनिंग फॉरेस्ट रिसोर्सेस फॉर द क्लाइमेट रेसिलियंट फ्यूचर महत्वपूर्ण डाक्यूमेंट है।

मध्यप्रदेश, विविध और समृद्ध वनों से परिपूर्ण है। यहां घने वनों से लेकर अर्ध-शुष्क वन और नदी तटीय पारिस्थितिक तंत्र तक विद्यमान हैं। ये वन असंख्य वनस्पतियों और वन्य जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं तथा प्रमुख नदियों के उद्गम क्षेत्र बनकर लाखों लोगों की जल सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। प्रदेश के वन, जनजातियों एवं वन-आश्रित समुदायों की आजीविका का आधार हैं, जिनकी संस्कृति और पहचान, वन पारिस्थितिकी से परस्पर जुड़ी है। इन वनों की सुरक्षा केवल पर्यावरणीय दायित्व नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक अनिवार्यता भी है।

विजन@2047 इस विश्वास पर आधारित है कि केवल नियमन और संरक्षण पर आधारित पारंपरिक वन प्रबंधन पद्धतियाँ अब पर्याप्त नहीं हैं। बदलते वर्षा पैटर्न, बढ़ता तापमान, वनों में लगने वाली आग और भूमि उपयोग का दबाव व्यापक एवं दूरदर्शी समाधान की मांग करते हैं। इस संदर्भ में यह विज़न पारिस्थितिकी-आधारित, जलवायु-अनुकूल, विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण को अपनाता है।

विजन@2047 का प्रमुख आधार समुदायों की भागीदारी है। विजन में वन-आश्रित समुदायों को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि वन संसाधनों के सह-प्रबंधक एवं संरक्षक के रूप में देखा गया है। जब समुदायों को वनों से प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होता है, तो वे उनके सबसे सशक्त संरक्षक बन जाते हैं। इस विश्वास के साथ यह विज़न समावेशी विकास को बढ़ावा देता है। यह विज़न वन प्रबंधन के आधुनिकीकरण पर भी विशेष बल देता है। शासकीय प्रक्रियाओं में डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से पारदर्शिता, कार्यकुशलता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने पर विजन डॉक्यूमेंट में विशेष महत्व दिया गया है।

संस्थागत सुधार और क्षमता निर्माण विज़न@2047 की आधारशिला हैं। नीतियों को प्रभावी परिणामों में परिवर्तित करने के लिए एक दक्ष, प्रशिक्षित और प्रेरित कार्यबल अत्यंत आवश्यक है। विभाग प्रशिक्षण, नेतृत्व विकास, वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार में सतत निवेश करेगा।

विजन@2047 को 5 अध्यायों में विभाजित किया गया है। इसमें वन विभाग के इतिहास और संरचना, विभाग की दृष्टि- मिशन और नीति निर्देशक सिद्धांतों, वर्ष 2024 तक के लक्ष्यों पर विशेष अध्याय शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही विजन@2024 को क्रियान्वित करने के प्रमुख 11 स्तंभों क्रमशः- वन प्रबंधन, वन्य जीव संरक्षण, वन संरक्षण, वन संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग, वन भूमि के बाहर हरित आच्छादन, सामुदायिक वानिकी और आजिविका, पर्यावरण पर्यटन और प्रकृित शिक्षा, जलवायु सहनशीलता, कार्बन एवं परिस्थितिकीय तंत्र सेवाएं, नीतिगत एवं विधिक सुधार, मानव संसाधन- क्षमता एवं कल्याण और डिजिटल एवं डेटा रूपांतरण की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है। विजन@2047 ऐसा दस्तावेज है, जो समय के साथ उभरती चुनौतियों और अवसरों के अनुरूप आकार लेता रहेगा। यह दृष्टि पत्र 33% हरित आच्छादन के लक्ष्य तथा वर्ष 2017 तक नेट जीरो उत्सर्जन के राष्ट्रीय संकल्प के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के वन आने वाले वाली पीढियों के लिए स्वस्थ, उत्पादक और सम सामयिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहे।

गुलाब स्टोरी आने वाले समय में प्रदेश और देश के लिए बनेगी प्रेरणादायक उदाहरण : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल मानस भवन गुना में आयोजित संभाग स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी एवं कृषक कार्यशाला में शामिल हुए।उन्होंने संभाग के विभिन्न जिलों से आए कृषकों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनसे संवाद कर खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुलाब की यह कहानी आने वाले समय में प्रदेश और देश के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी। आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती के समन्वय से किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुलाब की खेती से एक एकड़ में सालाना लगभग 14 लाख रुपये तक की आय संभव है, जो पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक है। यह मॉडल अन्य किसानों के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक उत्पाद न केवल स्वाद और गुणवत्ता में बेहतर होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सुरक्षित हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 'किंग ऑफ रोज' का पुरस्कार श्री अनिमेष श्रीवास्तव को उनकी 'रिवाइवल' किस्म के लिए प्रदान किया। श्री गोपाल अग्रवाल को उनकी 'टॉप सीक्रेट' किस्म के लिए 'क्वीन ऑफ रोज' का पुरस्कार दिया गया। गुलाब की ये उन्नत एवं आकर्षक किस्में प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सविता अरविंद्र गुप्ता, कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित सोनी, उपसंचालक उद्यानिकी श्री केपीएस किरार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

राजगढ़ में पटवारी ने लड़की का नहाते हुए बनाया वीडियो

परिजनों और लोगों ने रात में आकर पीटा और फाड़े कपड़े

राजगढ़ (नप्र)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ से एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। पटवारी के घर में पढ़ाई के लिए किराए से एक नाबालिग लड़की रहती थी। लड़की जब बाथरूम में नहा रही थी, तब पटवारी ने चोरी-छुपे उसका वीडियो बना लिया। मामले का जब खुलासा हुआ तो इलाके में सनसनी फैल गई। शनिवार रात लड़की के परिजन और ग्रामीण वहां पहुंच गए और आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पटवारी को बचाया है।

पीड़िता की रिपोर्ट पर केस दर्ज- वहीं, पीड़ित छात्रा की शिकायत पर खिलचीपुर थाने में आरोपी पटवारी महेश साहू के खिलाफ धारा 77 बीएनएस, 13/14 पॉक्सो एक्ट और 66 (e) आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

वीडियो डिलीट करने की कोशिश

थाना प्रभारी उमाशंकर मुकाती ने बताया कि आरोपी के मोबाइल की जांच में नाबालिग छात्रा के नहाते हुए बनाए गए वीडियो मोबाइल से बरामद हुए हैं। आरोपी ने वीडियो डिलीट करने की कोशिश की थी, लेकिन डिजिटल सबूत छिप नहीं सके।

जाली से बनाया नहाते समय वीडियो

जानकारी के अनुसार, खिलचीपुर के इमली स्टैंड क्षेत्र में रहने वाले पटवारी महेश साहू (50) के घर में आसपास के गांवों की नाबालिग छात्राएं पढ़ाई के लिए किराए पर रहती थीं। एक सप्ताह पहले आरोपी की पत्नी राजस्थान के छबड़ा अपने रिश्तेदार के यहां गई हुई थी, जिससे घर में आरोपी अकेला था। शनिवार सुबह 11वीं कक्षा की छात्रा परीक्षा देने से पहले नहाने के लिए

बाथरूम में गई थी। आरोप है कि इसी दौरान पटवारी ने बाथरूम के गेट के ऊपर लगी जाली से अपने मोबाइल से छात्रा का वीडियो बना लिया। आरोपी ने एक नहीं, बल्कि 2 से 3 वीडियो रिकॉर्ड किए।

छात्रा ने आरोपी को संदिग्ध हालत में देख लिया, लेकिन डर और परीक्षा के कारण तत्काल कुछ नहीं कहा। बाद में उसने साथ रहने वाली छात्राओं को पूरी बात बताई और परीक्षा देने चली गई।

मोबाइल चेक करते ही खुल गया राज- शाम को परीक्षा से लौटने के बाद छात्राओं ने परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी दी। रात करीब 9 बजे गुस्साए परिजन और ग्रामीण आरोपी के घर पहुंचे। जब उन्होंने आरोपी का मोबाइल चेक किया तो डिलीट किए गए वीडियो रीसायकल बिन में मिल गए। यह देखते ही लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने आरोपी की जमकर पिटाई कर दी। लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस ने भीड़ से छुड़ाकर किया गिरफ्तार- सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को भीड़ से छुड़ाया। हालात इतने तनावपूर्ण थे कि पुलिस को आरोपी को पैदल और फिर बाइक से थाने ले जाना पड़ा। घटना के बाद देर रात तक थाने के बाहर लोगों की भीड़ लगी रही। लोग आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते रहे।

बड़े तालाब और कलियासोत के किनारे गरज रहे बुलडोजर, बंगले और रिजॉर्ट भी तोड़े जा रहे

भोपाल (नप्र)। एनजीटी के निर्देश के बाद भोपाल प्रशासन अब एक्शन में है। बड़ा तालाब और कलियासोत नदी के किनारे हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए कार्रवाई शुरू हो गई है। अब अतिक्रमणकारियों को समय नहीं दिया जा रहा है। प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर पहुंच रही है और अवैध निर्माण को जमींदोज कर रही है। भोपाल जिला प्रशासन ने अपर लेक के फुल टैंक लेवल के 50 मीटर के अंदर गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन हटाने की मुहिम शुरू की है। क्रिसेंट क्लब की 200 फीट की बाउंड्री वॉल और आसपास के सर्वेंट क्वार्टर को गिरा दिए हैं।

कई अवैध निर्माणों पर चला बुलडोजर

दरअसल, बैरागढ़ एसडीएम रविशंकर राय और तहसीलदार हर्ष विक्रम सिंह की लीडरशिप में यह कार्रवाई हो रही है। इस ऑपरेशन के दौरान कॉन्ट्रैक्टर अमीन के 8000 स्क्वायर फीट के वेयरहाउस का हिस्सा गिरा दिया गया है। कार्रवाई के दौरान क्रिसेंट क्लब का ऑपरेटर परमिट नहीं दिखा पाया। बताया जाता है कि क्रिसेंट क्लब एक बड़े नेता का है।

झील के चारों ओर लागू है नो कंस्ट्रक्शन जोन- दरअसल, झील के चारों ओर कंस्ट्रक्शन की अनुमति नहीं है। नो कंस्ट्र्क्शन जोन लागू करने के लिए ही यह कार्रवाई की जा रही है। एक रिजॉर्ट के ऑपरेटर शैलेंद्र रैना और बिजनेसमैन बबलू ने अपनी मर्जी से स्ट्रक्चर हटाने के लिए दो दिन की मोहलत मांगी और लिखकर मंजूरी दी है। वहीं, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि 16 मार्च 2022 के बाद एफटीएल के 50 मीटर के अंदर बने स्ट्रक्चर को अतिक्रमण माना जाएगा। साथ ही उसे गिरा दिया जाएगा। ग्रामीण इलाकों में यह लिमिट 250 मीटर तक है। सर्वे के बाद भोपाल में 153 झुग्गी-झोपड़ियों और लग्जरी बंगलों समेत पक्के स्ट्रक्चर को हटाने के लिए पहचाना गया है।

दो दिन बाद होगी बड़ी कार्रवाई

वहीं, कुछ लोगों ने दो दिनों की मोहलत मांगी है। दो दिन बाद एक बार फिर से प्रशासन की टीम यहां पहुंचेगी और पक्के स्ट्रक्चर को तोड़ने का काम करेगी। अगर मालिक खुद से कंस्ट्रक्शन नहीं हटाते हैं प्रशासन की टीम गिराने की कार्रवाई करेगी।

एनजीटी के आदेश पर हो रही कार्रवाई

वहीं, एनजीटी के आदेश पर टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा की टीम ने शनिवार को कलियासोत डैम के 50 मीटर के अंदर चल रही आठ डेयरियों को गिरा दिया है। चार डेयरी ऑपरेटरों को अपनी मर्जी से अपने स्ट्रक्चर हटाने के लिए दो दिन की राहत दी गई है। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि सरकारी खुशी लाला आयुर्वेदिक कॉलेज के पास मौजूद डेयरियों को दो साल पहले हटाया गया था। इनलोगों ने फिर से निर्माण कर लिया। एनजीटी के सामने नौ डेयरियों को हटाने की मांग की गई थी लेकिन टीम को साइट पर दर्जनों डेयरियां चलती हुई मिलीं।

डोमिनोज ने दीपावली के दिन वेज की जगह भेजा नॉनवेज, 8 लाख का लगाया जुर्माना

सतना (नप्र)। सतना में शाकाहारी खाने की जगह मांसाहारी डिश भेजना डोमिनोज पिज्जा रेस्टोरेंट को महंगा पड़ा है। जिला उपभोक्ता आयोग ने शनिवार को फैसला सुनाने हुए रीवा रोड स्थित डोमिनोज पिज्जा रेस्टोरेंट (जुबिलेंट फूड वर्क्स लिमिटेड) पर 8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह राशि 9 प्रतिशत ब्याज के साथ एक माह के भीतर अदा करनी होगी। आयोग के अध्यक्ष एससी उपाध्याय और सदस्य उमेश गिरि एवं विद्या पांडेय की पीठ ने कंपनी को यह भी निर्देश दिया है कि वह परिवादी दंपति को 10 हजार रुपये का परिवाद व्यय भी अदा करे। यह निर्णय एक शिकायत के बाद आया है जिसमें दंपति ने मांसाहारी भोजन परोसे जाने का आरोप लगाया था।

दीपावली के दिन वेज की जगह नॉनवेज भेजा- यह पूरा मामला 31 अक्टूबर 2024, दीपावली के दिन का है। सतना निवासी सूरज तिवारी और उनकी पत्नी नैंसी तिवारी ने डोमिनोज पिज्जा सेंटर से कोरियन पनीर टिक्का ब्रेड ऑर्डर किया था। परिवादी के अधिवक्ता करुणेश अरोरा ने बताया कि दंपति और उनके परिवार के सभी सदस्य आजीवन शाकाहारी हैं और उन्होंने कभी मांसाहारी भोजन का सेवन नहीं किया है।

दीपावली के अवसर पर परिवार धार्मिक कार्यों में व्यस्त था और सभी सदस्य साथ बैठकर भोजन कर रहे थे। उन्होंने कोरियन पनीर टिक्का गार्लिक ब्रेड का सेवन किया। इसी दौरान सूरज तिवारी को संदेह हुआ। उन्होंने बारीकी से देखा तो पाया कि कोरियन पनीर टिक्का गार्लिक ब्रेड के भीतर मांस था, जिससे परिवार के सभी सदस्य स्तब्ध रह गए।

परिवार ने तत्काल खाद्य पदार्थ की तस्वीरें खींचकर रेस्टोरेंट से संपर्क किया, लेकिन उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इसके बाद आवेदक की ओर से पहले लीगल नोटिस भेजा गया और फिर जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया गया।

गर्लफ्रेंड के जीजा के घर अपने सीने में मारी गोली, मौत

बैतूल से 350किमी स्कूटी चलाकर उज्जैन आया, युवती की बहन से बोला-बात नहीं कर रही

उज्जैन (नप्र)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में शनिवार को एक बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड के जीजा के घर पर खुद को गोली मार ली। सीने में गोली लगने से मौके पर उसकी मौत हो गई। मौत से पहले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मामला नीलगंगा थाना क्षेत्र स्थित बंगाली कॉलोनी का है।

पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान निखिल आहके के रूप में हुई है, जो सारणी (जिला बैतूल) का रहने वाला था। निखिल का युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती दो दिन पहले ही अपने जीजा के घर उज्जैन आई थी, लेकिन किसी वजह से निखिल से बात नहीं कर रही थी। अपनी गर्लफ्रेंड से बात नहीं होने की वजह से निखिल टेंशन में आ गया था। वह परेशान होकर करीब 350 किलोमीटर बैतूल से स्कूटी चलाकर उज्जैन आया। शनिवार शाम करीब 5:30 से 6 बजे के बीच अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने बंगाली कॉलोनी पहुंचा था। यहां युवती की बहन से बोला- तुम्हारी बहन बात नहीं कर रही है।

निखिल आहके, मृतक

घर के अंदर घुसकर परिजनों को कमरे में किया बंद- इस दौरान घर में उस समय युवती के जीजा विनय गायनी की पत्नी, उनकी साली और एक बच्चा मौजूद थे। निखिल घर में घुसा। इस दौरान विनय की पत्नी और बच्चे को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद वह घर के अहाते में चला गया।

गर्लफ्रेंड ने जाने के लिए कहा तो मार ली गोली- विनय की पत्नी ने बताया कि घर में घुसते ही निखिल ने कहा, आपकी बहन मुझसे बात नहीं कर रही, उससे कहो मुझसे बात करे। इस पर युवती ने अपनी बहन से उसे वापस जाने के लिए कहने को कहा। इसी बीच कुछ ही देर बाद निखिल कमरे में घुस गया। अपने साथ लाई पिस्टल से खुद के सीने में गोली मार ली। वहीं गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इस दौरान युवक खून से लहूलुहान पड़ा था। आसपास के लोगों ने फौरन पुलिस को सूचना दी।

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

क्या छत्तीसगढ़ में भी शराब घोटाले में फंसे लोग पाक-साफ़ हो जाएंगे ?

शराब घोटाले में फंसे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल के निचली अदालत से बरी होने के बाद छत्तीसगढ़ में भी चर्चा चल पड़ी है कि यहां भी शराब घोटाले में फंसे नेता और अफसर बेदाग छूट जाएंगे। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में फंसे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल, भूपेश सरकार के आबकारी मंत्री कवासी लखमा और कई अफसरों को जमानत मिल गई है। कवासी लखमा विधानसभा के बजट सत्र में शामिल भी हो रहे हैं। आबकारी सचिव निरंजन दास, पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और कुछ लोग जरूर अभी जेल में हैं। कहा जा रहा है राज्य में भाजपा सरकार बनने के तत्काल बाद हाइप क्रिएट करने के लिए जांच एजेंसियां आनन-फानन में कार्रवाई की, पर समय के साथ मामला ठंडा पड़ता गया। अब केजरीवाल मामले में कोर्ट के फैसले से जांच एजेंसी ही कटघरे में आ गई है, कहीं छत्तीसगढ़ में भी ऐसा न हो।

बस्तर महाराजा राज्यसभा की दौड़ में

कहते हैं कि बस्तर के महाराजा कमलचंद्र भंजदेव भाजपा के कोटे से राज्यसभा में जाने की जुगत में हैं। डॉ रमन सिंह के कार्यकाल में कमलचंद्र भंजदेव युवा आयोग के अध्यक्ष रहे हैं। चर्चा है कि इस बार छत्तीसगढ़ से सामान्य या अन्य पिछड़ा वर्ग से ही राज्यसभा में भेजा जाएगा। बस्तर में नक्सलवाद के सफाए के लिए जिस तरह अभियान चलाया जा रहा है और बस्तर के विकास की बात की जा रही है,उससे आंकलन किया जा रहा है कि बस्तर को प्राथमिकता दी जा सकती है। इसके अलावा राज्य की भाजपा सरकार में अभी बस्तर से एक मात्र मंत्री केदार कश्यप हैं, हालांकि बस्तर से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव हैं। सुनने में आ रहा है कि महाराजा कमलचंद्र भंजदेव दिल्ली के एक बड़े भाजपा नेता और आर एस एस के कुछ नेताओं से राज्यसभा के लिए एप्रोच लगवा रहे हैं। बताते हैं कि उनके अभियान के खिलाफ बस्तर भाजपा का एक वर्ग खड़ा हो गया है। यह वर्ग भाजपा या आर एस एस के पुराने नेता या कार्यकर्ता को उच्च सदन में भेजने की वकालत कर रहा है। भाजपा के कोटे से इस बार एक प्रतिनिधि राज्यसभा में जाएगा। अब देखते हैं दिल्ली दरबार क्या फैसला लेता है।

डिप्टी कलेक्टरों को पीछे छोड़ आईएएस बने तरुण

एलाइड सर्विस से आईएएस अफसर बने तरुण कुमार किरण ने कई डिप्टी कलेक्टरों को पीछे छोड़ दिया है। बताते हैं तरुण कुमार किरण 2014 के जीएसटी अफसर हैं और 12 साल की सेवा में ही आईएएस बन गए। जबकि अभी 2013 बैच के कई डिप्टी कलेक्टर आईएएस बनने की कतार में हैं। 2013 बैच के सुमित अग्रवाल, संदीप अग्रवाल और आशीष टिकरिहा ही आईएएस प्रमोट हो पाए हैं। 2013 बैच के बाकी रह गए राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस बनने में दो-तीन साल लगेंगे। 2014 बैच के राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को जब तक आईएएस मिलेगा तब तक तरुण कुमार किरण बहुत आगे निकल गए होंगे और उनसे वरिष्ठ आईएएस भी हो जाएंगे। सरकार ने आईएएस का तमगा मिलने के बाद सरकार ने तरुण कुमार किरण को कोरबा कलेक्ट्रेट में ओएसडी बनाया है। कोरबा औद्योगिक नगरी है और एसईसीएल का भी वहां बड़ा कारोबार है, ऐसे में सरकार तरुण कुमार किरण की विशेषज्ञता का लाभ कैसे लेती है, यह देखना है। वैसे बताते हैं तरुण कुमार किरण जीएसटी अफसर बनने से पहले फूड इंस्पेक्टर और महिला बाल विकास अधिकारी भी रह चुके हैं। माना जा रहा है कि तरुण कुमार किरण की सेवा अवधि के आधार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2021 का बैच मिल सकता है।

क्या मोहन मरकाम की लाटरी लगेगी ?

कहते हैं छत्तीसगढ़ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष मोहन मरकाम बड़े जोर-शोर से राज्यसभा की कुर्सी पाने में लगे हैं। छत्तीसगढ़ से कांग्रेस के कोटे से एक नेता को राज्यसभा जाने का मौका मिलेगा। कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा सदस्य रहे केटीएस तुलसी और फूलोदेवी नेताम के अप्रैल में कार्यकाल खत्म होने से दो सीट रिक्त हो रही है। छत्तीसगढ़ विधानसभा में विधायकों की संख्या के आधार पर एक-एक सीट कांग्रेस और भाजपा को मिलेगी। माना जा रहा है कांग्रेस इस बार बाहरी नेता की जगह छत्तीसगढ़िया को ही मौका देगी। अभी गैर छत्तीसगढ़िया रहवासी राजीव शुक्ला और रंजीता रंजन कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा सांसद हैं। वैसे कांग्रेस के कोटे से राज्यसभा के दावेदारों में टीएस सिंहदेव, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू का नाम भी चर्चा में है। कुछ लोग भूपेश बघेल का नाम भी चला रहे हैं, तो सिक्ख समाज पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के नाम को आगे कर रहा है। कुछ लोग फूलोदेवी नेताम के रिपीट होने की संभावना भी जता रहे हैं।

विधानसभा सत्र के बाद मंत्रालय में बदलाव के आसार

कहा जा रहा है कि विधानसभा के बजट सत्र के बाद राज्य में प्रशासनिक फेरबदल हो सकता है। मंत्रालय में सचिवों और विभागाध्यक्षों में हेरफेर के साथ कुछ जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे। कई सचिव और विभागाध्यक्ष दो-सवा दो साल से एक ही विभाग में पदस्थ हैं। कुछ जिलों में कलेक्टर भी साय सरकार के कार्यकाल से चल रहे हैं। दीपक सोनी के भारत सरकार में प्रतिनियुक्ति पर जाने के कारण राज्य सरकार ने 2014 बैच के आईएएस कुलदीप शर्मा को बलौदाबाजार-भाटापारा का कलेक्टर बना दिया है। कुलदीप शर्मा अभी तक पंजीयक सहकारी संस्थाएं थे। सरकार ने हाल ही में आईएएस बनने वाले राज्य प्रशासनिक सेवा और एलाइड सर्विस के अफसरों की पोस्टिंग की है। कुछ अफसरों को पुराने पद पर यथावत रखा है, लेकिन तीर्थराज अग्रवाल और आशीष टिकरिहा की पोस्टिंग चर्चा में है। ये दोनों मंत्री के स्टाफ में थे। तीर्थराज अग्रवाल वन मंत्री केदार कश्यप के ओएसडी थे तो आशीष टिकरिहा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के ओएसडी। इनमें तीर्थराज को योजना और आर्थिक सांख्यिकीय विभाग का उप सचिव बनाकर मंत्रालय में भेज दिया गया है, तो आशीष टिकरिहा को वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन का एमडी बनाकर पुरस्कृत कर दिया गया है। एमडी के तौर पर आशीष वेयर हाउसिंग कार्पोरेशनके प्रशासनिक मुखिया रहेंगे, जबकि तीर्थराज को स्वतंत्र प्रभार नहीं दिया गया है।

जीएस मिश्रा को निष्ठा का ईनाम

कहा जा रहा है रिटायर्ड आईएएस और भाजपा नेता गणेशशंकर मिश्रा को निष्ठा का ईनाम मिला है। सरकार ने गणेशशंकर मिश्रा को नीति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया है। डिप्टी कलेक्टर से आईएएस बने गणेशशंकर मिश्रा बस्तर और राजनांदगांव जैसे जिले के कलेक्टर और कई विभागों के सचिव रहे। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर से लेकर कांग्रेस नेता विद्याचरण शुक्ल के पीएस की भूमिका निभा चुके गणेशशंकर को रमनसिंह की सरकार ने राज्य सहकारी निर्वाचन आयुक्त बनाया था। भूपेश बघेल की सरकार में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। इसके बाद गणेशशंकर ने भाजपा ज्वाइन कर लिया। बताते हैं गणेशशंकर मिश्रा 2023 के विधानसभा चुनाव में धरसींवा विधानसभा से भाजपा की टिकट चाहते थे, पार्टी ने छत्तीसगढ़ी फिल्म कलाकार पद्मश्री अनुज शर्मा को वहां से उम्मीदवार बना दिया। कहते हैं चुनाव के वक्त भाजपा ने गणेशशंकर मिश्रा कई फ्रंट पर उपयोग किया। भाजपा ने पार्टी टिकट के दावेदार अंजय शुक्ला को छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाकर खुश करने की कोशिश की है।

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)